दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

वर्ष -15, अंक -13 | कोरबा, शुक्रवार दिनांक 05 से 11 जुलाई 2024 | पृष्ठ-8 मूल्य रू. 3.00

टीम इंडिया के स्वागत में ऐतिहासिक विक्ट्री रोड शो

रोहित बोले- ट्रॉफी हर भारतीय के लिए-कोहली ने बुमराह को 8वां अजूबा बताया; टीम इंडिया को बीसीसीआई ने 125 करोड़ रुपए दिए

नई दिल्ली/मुंबई (एजेंसी)।

टी-20 वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया का सम्मान वानखेड़े स्टेडियम में जारी है। यहां रात 9 बजे राष्ट्रगान के साथ सम्मान शुरू हुआ। कप्तान रोहित शर्मा ने ट्रॉफी देश को समर्पित की। उनके बाद कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि वह टीम के प्यार को मिस करेंगे।

विराट कोहली ने कहा, जसप्रीत बुमराह ने देश को सबसे बड़े तोहफा दिया। उनके जैसा गेंदबाज जनरेशन में एक ही बार आता है। वह दुनिया के 8वें अजूबे हैं। आखिर में बुमराह ने कहा, मैं किसी मैच के बाद रोता नहीं हूं, लेकिन फाइनल के बाद मेरी आंखों से भी 2-3 बार आंसू निकल आए।

बीसीसीआई टीम इंडिया को 125 करोड़ रुपए का इनाम देगा। विक्ट्री परेड के दौरान विजय रथ पर सवार खिलाड़ी बारी-बारी से आगे आए और फैंस के साथ जीत सेलिब्रेट की। कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली एक साथ बस की छत के आगे आए और फैंस को ट्रॉफी दिखाते हुए खुशी से झूमने लगे।

मरीन ड्राइव पर 3 लाख से ज्यादा फैंस अपने क्रिकेटर्स के स्वागत के लिए मौजूद रहे। बारिश के बावजूद 3 किमी लंबी सड़क पर सिर ही सिर दिखे, यहां पैर रखने की जगह तक नहीं थी। ऐसे में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पुलिस कमिश्नर से बात करके सुरक्षा बढ़वानी पड़ी। ऐसा उल्लास शायद ही कभी देखने को मिला। अपने फैंस से मिलकर टीम इंडिया गदगद दिखाई दी और विजय रथ में सवार होकर रोड शो में सबका अभिवादन किए।

कैंसर से जूझ रही हिना खान ने हंस-हंस कर कटवाए अपने बाल

मुम्बई (एजेंसी)।

ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही हिना खान एक बहादुर महिला हैं। जिसका सबूत उनके एक ताजा वीडियो में देखने को मिला। स्टेज 3 स्तन कैंसर का पता चलने के बाद, हिना ने इस बीमारी को एक इंच भी खुद पर इसका प्रभाव नहीं होने दिया। वह हर दिन का इस बीमारी का डट कर सामना कर रही है। हिना ने कीमोथेरेपी सेशन से पहले अपने बाल काटते हुए एक वीडियो शेयर किया है। पहला कदम उठाते ही हिना मुस्कुराती हुई नज़र आई। वीडियो के साथ उन्होंने एक नोट भी शेयर किया है। हीना खान ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया। इसमें लिखा है, आप बैकग्राउंड में मेरी मां की कश्मीरी भाषा में विलाप करती हुई आवाज सुन सकते हैं, क्योंकि उन्होंने खुद को कुछ ऐसा देखने के लिए तैयार किया था जिसकी उन्होंने कभी कल्पना करने की हिम्मत भी नहीं की थी। दिल तोड़ने वाली भावनाओं के लिए हम सभी के पास शब्द नहीं हैं। उन्होंने आगे लिखा, यहां मौजूद सभी खूबसूरत लोगों के लिए, खासकर महिलाएं जो एक ही लड़ाई लड़ रही हैं, मुझे पता है कि यह कठिन है, मैं जानती हूं कि हम में से अधिकांश के लिए, हमारे बाल वह ताज हैं जिन्हें हम कभी नहीं उतारते हैं। लेकिन क्या होगा यदि आप इतनी कठिन लड़ाई का सामना कर रहे हों कि आपको अपने बाल- अपना गौरव, अपना ताज खोना पड़े? यदि आप जीतना चाहते हैं तो आपको कुछ कठोर निर्णय लेने होंगे। और मैं जीतना चुनती हूं।

पीएम मोदी से मिली टीम इंडिया : नमो जर्सी भेंट की

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट वर्ल्ड टी-20 वर्ल्ड कप 2024 को अपने नाम करा कर टीम इंडिया ने इतिहास रचा है। आज टीम दिल्ली पहुंची। एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत हुआ। इसके बाद पीएम मोदी से मिलने पहुंची। बता दें कि एतिहासिक जीत करने वाली भारतीय टीम अब भारत लौट चुकी है। जी हां, 29 जून को ट्रॉफी जीतने के बाद से भारतीय फैंस अपनी टीम की घर वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। रोहित एंड कंपनी का 4 जुलाई की सुबह दिल्ली एयरपोर्ट पर जोरदार स्वागत हुआ है। गुरूवार का पूरा दिन टीम इंडिया के लिए सेलिब्रेशन वाला रहा है। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय टीम ने इतिहास रचते हुए दूसरी बार इस फॉर्मेट का खिताब अपने किया। रोहित एंड कंपनी ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 7 रनों से रोमांचक जीत दर्ज कर 140 करोड़ भारतीयों को खुशी का तौहफा दिया। टीम इंडिया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नमो जर्सी भेंट की। प्रधानमंत्री मोदी ने टीम इंडिया को बधाई दी और कहा कि टीम इंडिया भारत का गौरव है। उन्होंने एक्स पर फोटो शेयर किया।

भोले बाबा के 6 सेवादार अरेस्ट, इनमें 2 महिलाएं-वकील बोले- बाबा यूपी छोड़कर भागे नहीं न्यायिक आयोग के अध्यक्ष ने कहा- जल्द हाथरस जाएंगे

हाथरस (एजेंसी)।

यूपी के हाथरस हादसे को लेकर न्यायिक आयोग की पहली बैठक नैमिषारण्य गेस्ट हाउस में हुई। इसके बाद आयोग के अध्यक्ष बृजेश श्रीवास्तव ने कहा- जरूरत पड़ी तो पुलिस और मीडियाकर्मियों के बयान दर्ज किए जाएंगे। बहुत जल्द आयोग की टीम हाथरस जाएगी और सबूत इकट्ठा करेगी। दो महीने में जांच पूरी करके रिपोर्ट सरकार और शासन को सौंपनी है। इसलिए हम बहुत तेजी से काम करेंगे।

इससे पहले में दोपहर में आईजी रेंज अलीगढ़ शलभ माथुर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- पुलिस ने आज 6 लोगों की गिरफ्तारी की। सभी आरोपी आयोजन समिति के सदस्य हैं। इनमें 2 महिलाएं भी शामिल हैं।

आरोपियों में मैनपुरी का राम लड़ैते यादव, शिकोहाबाद का उपेंद्र यादव, हाथरस का मेड सिंह, मंजू यादव, मुकेश कुमार और मंजू देवी शामिल हैं। इनकी देख-रेख में ही सत्संग चल रहा था।

पुलिस ने मुख्य आयोजक देव प्रकाश मधुकर पर 1 लाख का इनाम घोषित किया है। वह अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर है।

दूसरी ओर, भोले बाबा के वकील एपी सिंह घायलों से मिलने अलीगढ़ पहुंचे। उन्होंने कहा- बाबा के पास कोई आश्रम नहीं है। वह पेंशन से अपना गुजारा करते हैं। जब भी बाबा को जांच टीम बुलाएगी, वह आएंगे। साकार हरि किडनी के मरीज हैं। इसके अलावा भी उनको कई बीमारियां हैं। एक किडनी निकल चुकी है।

इधर, पुलिस ने एटा, हाथरस और मैनपुरी से 30 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया है। सभी भोले बाबा से जुड़े हैं। उनसे पूछताछ की जा रही है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा- हादसे के लिए प्रशासन और प्रदेश सरकार जिम्मेदार है। वहीं, कांग्रेस नेता राहुल गांधी हाथरस आएंगे। वह अस्पताल में भर्ती और प्रभावित लोगों से बातचीत करेंगे।

कौन है देव प्रकाश मधुकर सेवादार, जिस पर है 1 लाख का इनाम

हाथरस भगदड़ कांड में पुलिस ने भोले बाबा के मुख्य सेवादार देव प्रकाश मधुकर को मुख्य आरोपी बनाया। उस पर 1 लाख का इनाम घोषित किया है।

देव प्रकाश मधुकर हाथरस के मोहल्ला दमदमपुरा की न्यू कॉलोनी में रहता है। वह पंचायती राज विभाग में इंजीनियर है। घटना के बाद देव प्रकाश मधुकर के घर पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई।

एनकाउंटर में 40 लाख रुपए के 5 नक्सली ढेर

घटना स्थल से 2 घायल समेत 3 गिरफ्तार

जगदलपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर नारायणपुर जिले के अबूझमाड़ में हुई मुठभेड़ में जवानों ने 40 लाख रुपए के 5 माओवादियों को ढेर किया है। इन सभी पर 8-8 लाख रुपए का इनाम घोषित था। वहीं मुठभेड़ स्थल से 2 घायल समेत 3 नक्सलियों को गिरफ्तार भी किया गया है। घायल नक्सलियों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। करीब 72 घंटे तक मुठभेड़ और सर्चिंग ऑपरेशन चला। संयुक्त ऑपरेशन को सफल बनाकर जवान गुरुवार को जिला मुख्यालय लौट आए हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि अबूझमाड़ में नक्सलियों के माड़ डिवीजन की सचिव रनिता उर्फ जयमती, ष्टष्टरू सोनू, ष्टष्टरूकोसा, अरुण, राधिका, अरब, सुखलाल समेत कंपनी नंबर-1 के नक्सली मौजूद हैं।

हेमंत सोरेन झारखंड के 13वें मुख्यमंत्री बने : जिस राजभवन से गिरफ्तार हुए, 156 दिन बाद वहीं शपथ ली

रांची (एजेंसी)।

हेमंत सोरेन झारखंड के 13वें मुख्यमंत्री बने। जेल से निकलने के छठे दिन ही उन्होंने राज्य की कमान एक बार फिर से अपने हाथ में ले ली है। 24 साल के झारखंड में वे 13वें सीएम बन गए।

इसके साथ ही तीसरी बार राज्य के सीएम पद की शपथ लेने वाले वे तीसरे सीएम बन गए हैं। उनसे पहले उनके पिता शिबू सोरेन और बीजेपी नेता अर्जुन मुंडा तीन बार सीएम पद की शपथ ले चुके हैं।

सीएम पद की शपथ लेने के बाद हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक आयोजित की गई। बैठक में 8 जुलाई को विधानसभा के विशेष सत्र आहूत करने का निर्णय लिया गया। हेमंत सोरेन सदन का विश्वास मत प्राप्त करेंगे।

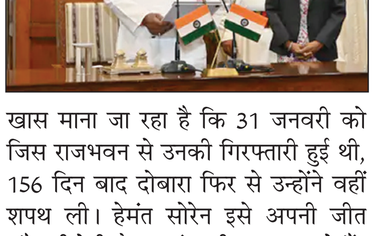

हेमंत सोरेन के इस शपथ को इसलिए भी खास माना जा रहा है कि 31 जनवरी को जिस राजभवन से उनकी गिरफ्तारी हुई थी, 156 दिन बाद दोबारा फिर से उन्होंने वहीं शपथ ली। हेमंत सोरेन इसे अपनी जीत और बीजेपी के षड्यंत्र की हार बता रहे हैं।

शपथ ग्रहण के बाद हेमंत सोरेन ने कहा कि वर्तमान महागठबंधन की सरकार ने 2019 से जनता की भावनाओं के अनुरूप सारी कार्य योजनाएं कीं। राजनीतिक उतार-चढ़ाव के बीच चंपाई सोरेन ने उसे आगे बढ़ाया क्योंकि मैं जेल में था। आज कोर्ट के आदेश से मैं बाहर आ पाया हूं।

सबसे पहले
लाइफ इंश्योरेंस
जीवन के साथ भी
जीवन के बाद भी...
एलआईसी का
जीवन उत्सव
उत्सव मनाने का गारंटीड तरीका
Plan No.: 871
UIN: 512N363V01
आजीवन गारंटीड रिटर्न
के साथ
ऑनलाइन भी उपलब्ध
पूर्ण आयु जीवन बीमा एवं लाभ भुगतान के विकल्प
सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि 5 से 16 वर्ष
प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान गारंटीकृत वृद्धि
नियमित आय लाभ / फ्लेक्सी आय लाभ
न्यूनतम मूल बीमा राशि 5 लाख
एक नॉन-लिंक्ड, नॉन-पार्टिसिपेटिंग, व्यक्तिगत, बचत, पूर्ण आयु जीवन बीमा योजना
एलआईसी है तो कहीं और क्यों जाना...
LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
हर पल आपके साथ
सभी नई पॉलिसियों की अधिक जानकारी के लिए आज ही संपर्क करें-
सालिक राम राजवाड़े
(बीमा अभिकर्ता)
वेदांत बीमा सेवा केंद्र
कार्यालय : प्रेस क्लब तिलक भवन के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
निवास : सत्यनारायण मंदिर के पास, पोड़ी बहार कोरबा, मो.नं.-90987-52955

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

कोरबा, शुक्रवार दिनांक 05 से 11 जुलाई 2024

अपील

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हर व्यक्ति से अपील की है और कहा है कि इस मानसून माँ के नाम एक पौधा अवश्य लगाएं।

राज्य में एक पेड़ मां के नाम अभियान का शुभारंभ किया मुख्यमंत्री साय ने

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास परिसर में लगाया दहीमन का पौधा

एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत 70 लाख पौधों का रोपण

राज्य में वन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए 3.95 करोड़ पौधों का हो रहा रोपण

रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राज्य में पर्यावरण संरक्षण एवं हरीतिमा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान का गुरूवार को विधिवत शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस मौके पर अपने निवास कार्यालय परिसर रायपुर में दहीमन का पौधा लगाने के साथ ही प्रदेशवासियों से अपनी मां के नाम एक पेड़ लगाए जाने का आव्हान किया। इस अवसर पर मंत्री लखन लाल देवांगन, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं स्कूली बच्चे मौजूद थे। दहीमन का पौधा सरगुजा अंचल में बहुतायत रूप से मिलता है। औषधीय गुणों से भरपूर और यह कई बीमारियों के इलाज में यह उपयोगी है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक पेड़ मां के नाम लगाए जाने की अपील देशवासियों से की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील का छत्तीसगढ़ राज्य में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में क्रियान्वयन शुरू कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ में 11 जुलाई को वन महोत्सव का राज्य स्तरीय आयोजन होगा, जिसके अंतर्गत 70 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा।

राज्य में ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में लोग अपनी मां के नाम पौधा लगाएंगे। पौध रोपण कार्यक्रम को सफल बनाने एवं पौध रोपण क्षेत्र के संरक्षण के लिए इसे जनप्रतिनिधियों द्वारा गोद भी लिया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत लोग अपनी श्रद्धा और आस्था के अनुरूप देवी-देवताओं के नाम पर भी पौध रोपण कर सकेंगे। वन क्षेत्रों के अलावा सामान्य क्षेत्रों में सड़कों के किनारे भी पौध रोपण किए जाएंगे।

छत्तीसगढ़ राज्य में वन एवं पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए वन विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 3 करोड़ 95 लाख 85 हजार से अधिक पौधों के रोपण किया जा रहा है, जिसमें से 2 करोड़ 82 लाख 35 हजार पौधों का रोपण किसान वृक्ष मित्र योजना के अंतर्गत हो रहा है। राज्य में अब तक सवा करोड़ से अधिक पौधों का रोपण किया जा चुका है। जुलाई माह के अंत तक शत-प्रतिशत पौधों का रोपण पूरा करने का लक्ष्य है।

सीएम साय ने कहा- पढ़-लिखकर खूब तरक्की करें

रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय गुरूवार को आयोजित जनदर्शन में दिव्यांगों की समस्याओं और मांगों से अवगत हुए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संवेदनशीलता से केवल की बातों को सुनकर उन्हें तत्काल व्हीलचेयर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिस पर तत्काल निराकरण करते हुए व्हीलचेयर उपलब्ध कराई गई। इस दौरान मुख्यमंत्री ने केवल को स्कूल जाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि पढ़-लिखकर तरक्की करो और जीवन में एक सफल इंसान बनो।

जिला रायपुर के आरंग विकासखंड के दिव्यांग केवल साहू ने आर्थिक सहायता हेतु मदद मांगी। केवल ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि उसके कमर से नीचे का हिस्सा काम नहीं करता है, जिससे उसे चलने-फिरने में दिक्कत आती है। इन दिक्कतों के कारण उसकी पढ़ाई भी छूट गयी है। उनके पिता मजदूरी का काम करते हैं, जिससे परिवार का खर्च बहुत मुश्किल से चल पाता है।

व्हीलचेयर मिलने पर खुशी से गदगद होते हुए केवल और साथ आये उसके पिता कृष्णा साहू ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया। केवल के पिता कृष्णा साहू ने कहा कि मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता ने आज मेरे बच्चे के भविष्य को सुधारने में मील का पत्थर साबित होगा। अब मेरे बच्चे को स्कूल जाने में कोई तकलीफ नहीं होगी और वह आगे की पढ़ाई निरंतर जारी रख सकेगा।

मुख्यमंत्री 5 जुलाई को बगिया में आयोजित राज्य स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव में होंगे शामिल

रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 5 जुलाई को सवेरे 10 बजे जशपुर जिले के विकासखण्ड कांसाबेल के ग्राम बगिया में आयोजित राज्य स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वित्त मंत्री एवं जशपुर जिले के प्रभारी मंत्री ओ. पी. चौधरी करेंगे। यह कार्यक्रम शासकीय हाईस्कूल बगिया में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय नवप्रवेशी विद्यार्थियों को तिलक लगाकर, मिष्ठान खिलाकर स्वागत करेंगे और पाठ्यपुस्तक एवं गणवेश का विवरण करेंगे। इसके अलावा बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षा में टॉपर्स एवं विशिष्ट उपलब्धि प्राप्त विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरण भी करेंगे। साथ ही शालेय परिवार द्वारा उत्कृष्ट पालकों का भी सम्मान किया जाएगा।

भारतमाला परियोजना में ली गई भूमि, अब तक नहीं मिला मुआवजा

रायपुर

मुख्यमंत्री जनदर्शन में आज दुर्ग जिले के हनोदा ग्राम के आनंद साहू भी पहुंचे। उन्होंने बताया कि 4 साल पहले भारतमाला परियोजना में उनकी जमीन अधिग्रहित की गई, इसका मुआवजा आज तक नहीं मिल पाया है। उन्होंने बताया कि अब सड़क बनने का काम भी शुरू हो चुका है। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए भारत माला परियोजना में आने वाली आनंद साहू की जमीन का परीक्षण कर त्वरित राहत दिलाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने श्री साहू को आश्वस्त करते हुए कहा कि आपके आवेदन का शीघ्र परीक्षण कर इस पर नियमानुसार शीघ्र कार्रवाई की जाएगी।

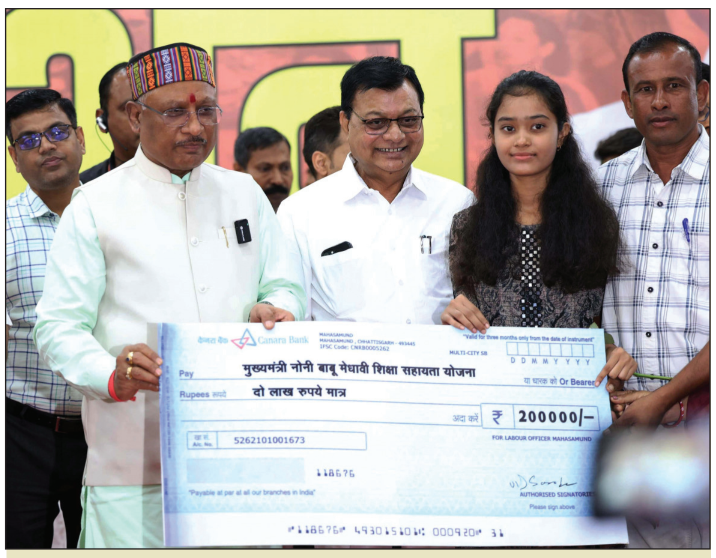

श्रमवीरों के बच्चों का अब डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, अधिकारी बनना हुआ आसान

मुख्यमंत्री ने ''नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना'' में 13 विद्यार्थियों को वितरित किए दो-दो लाख रुपए की राशि के चेक

रायपुर।

श्रमवीरों के परिवार के बच्चों के लिए अब डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक और प्रशासनिक अधिकारी बनने की राह अब आसान हो गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने निवास में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में श्रम विभाग की मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत दो-दो लाख रुपए के चेक प्रदान किए और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद प्रदान किया।

श्रमवीर परिवारों के ऐसे मेधावी बच्चे जिन्होंने 10वीं और 12वीं की परीक्षा में मेरिट प्रथम दस में स्थान बनाया है, उन्हें दो-दो लाख रूपए की राशि के मिलने से इन बच्चों को अपने सपनों को पूरा करने का रास्ता मिल गया है। मुख्यमंत्री के हाथों बच्चों को सम्मानित और उन्हें राशि मिलने से ये बच्चे उत्साहित हैं। उन्हें मिले सम्मान और सहायता राशि से उनका आत्मविश्वास और बढ़ गया है।

कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में सातवां स्थान प्राप्त करने वाली वेदिका निषाद ने बताया कि वह कृषि वैज्ञानिक बनना चाहती हैं। उसने कृषि महाविद्यालय में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा दी है। वेदिका ने बताया कि उसके माता-पिता किसानी और मजदूरी करके परिवार की गुजर बसर करते हैं। आज मिली राशि से उनका वैज्ञानिक बनने का सपना साकार हो सकेगा इस राशि का उपयोग वे आगे की पढ़ाई के लिए करेंगी।

बालोद जिले की जिज्ञासा ने बताया कि उन्हें दसवीं की परीक्षा में प्रदेश में पांचवा स्थान मिला है। उनके पिता मजदूरी करते हैं। वह डॉक्टर बनने का सपना संजोए हुए है। दसवीं की मेरिट में दूसरा स्थान प्राप्त करने वाली पद्मनी शांडिल्य सिविल सर्विसेज में जाना चाहती हैं। इसी प्रकार मेरिट में आठवें स्थान में आने वाले खोमेंद्र इंजीनियर बनना चाहते हैं। दसवीं की बोर्ड परीक्षा में दूसरा स्थान प्राप्त करने वाली होनिशा के पिता मिस्त्री का काम करता हैं, होनिशा डिप्टी कलेक्टर बनना चाहती हैं।

पीएम ने राज्यसभा में उठाया छत्तीसगढ़ का शराब

मोदी बोले-कांग्रेस सरकार के सीएम के साथ जुड़ा स्कैम आप को तब ईडी प्यारी थी

रायपुर/नईदिल्ली, एजेंसी।

शराब घोटाला केस में छत्तीसगढ़ की चर्चा राज्यसभा तक पहुंच गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए बुधवार को इसका जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री के साथ शराब घोटाला जुड़ा।

उन्होंने कहा कि, यही आप पार्टी वाले तब चीख-चीख कर कहते थे कि ईडी, सीबीआई लगा दो। इस मुख्यमंत्री को जेल में डाल दो। तब इन्हें ईडी बहुत प्यारा लगता था। ये आज जो लोग जांच एजेंसियों को बदनाम कर रहे हैं।

धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब दे रहे थे मोदी

दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब दे रहे थे। 1 घंटा 50 मिनट की स्पीच में प्रधानमंत्री नीट , मणिपुर संविधान, कांग्रेस, पश्चिम बंगाल, रोजगार, भ्रष्टाचार,सीबीआई -ईडी, फेडरलिज्म, इमरजेंसी, जम्मू-कश्मीर, इंदिरा, राहुल, दलितों पर बोले।

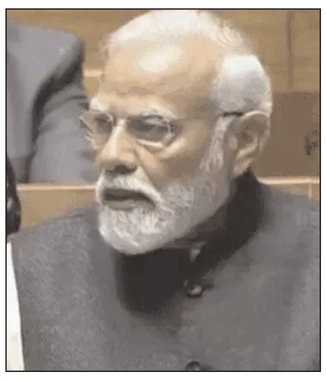

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर दिया जवाब

इसी दौरान भ्रष्टाचार पर पीएम ने कहा कि, जिन्हें सजा मिली है, उनके साथ ये (कांग्रेस नेता) तस्वीरें निकाल रहे हैं। जब भ्रष्टाचारी जेल जा रहे हैं तो ये हंगामा कर रहे हैं। यहां केंद्रीय जांच एजेंसियों पर आरोप लगाए कि सरकार इनका दुरुपयोग कर रही है।

उन्होंने कहा कि, भ्रष्टाचार करे आम आदमी पार्टी , शराब घोटाला करे आप , बच्चों के काम में घोटाला करे आप। आप की शिकायत करे कांग्रेस और आपको कोर्ट में ले जाए कांग्रेस। कार्रवाई हो तो गाली मोदी को। अब आप और कांग्रेस साथी बन गए हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई चुनाव के लिए नहीं लड़ता, ये मेरा मिशन है।

एक साल पहले आप ने कहा था- ये 9000 करोड़ का घोटाला

छत्तीसगढ़ के शराब घोटाले मामले पर एक साल पहले आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को घेरा था। तब पार्टी के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष कोमल हूपेंडी ने कहा था कि, प्रदेश में 2 हजार करोड़ का नहीं, बल्कि 9 हजार करोड़ से अधिक का शराब घोटाला हुआ है। हूपेंडी ने दस्तावेजों के साथ महासमुंद जिले का उदाहरण भी दिया।

उन्होंने बताया था कि इस मामले को लेकर पार्टी के सह सचिव अभिषेक जैन ने 2 जुलाई 2020 को कलेक्टर महासमुंद से शिकायत की थी। इसमें बताया गया कि जिले के सरकारी शराब दुकानों में अवैध रूप से बिना परमिट के डुप्लीकेट सरकारी हॉलमार्किंग वाली शराब उत्पादक से सीधे शराब दुकानों में खाली होती है और बिना स्कैनिंग के उसे बेचा जाता है।

LIC है तो कहीं और क्यों जाएं...?

एलआईसी कराएं... परिवार में सुख-समृद्धि पाएं

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

आज ही बीमा कराएं अपने और अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित एवं बेहतर बनाएं

नई योजनाओं की जानकारी आज ही लें।

सालिक राजवाड़े (बीमा अभिकर्ता)

कार्पोरेट ऑफिस - वेदांत बीमा सेवा केंद्र

प्रेस क्लब के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा

मो.नं.-90987-52955, 99262-57886

जांजगीर-चांपा में पुटू खाने से बिगड़ी तबीयत:एक ही परिवार के 12 लोग बीमार, 3 बच्चों की हालत गंभीर

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले में पुटू (देसी मशरूम) खाने से एक ही परिवार के 12 सदस्यों की तबीयत बिगड़ गई। सभी को सब्जी खाने के बाद उल्टी और सीने में दर्द होने लगा। गंभीर हालत में सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। तबीयत बिगड़ने के बाद 108 को सूचना दी गई। सभी को इलाज के लिए जिला अस्पताल लगाया गया है। जहां सभी का इलाज जारी है। मरीजों में 3 बच्ची, 4 महिला, 5 पुरुष शामिल हैं। 3 बच्ची और एक महिला की हालत गंभीर है।

मरीजों के नाम- कुसुम लता (उम्र 33),अमर कुमारी (23), ननकी नोनी (70), रामकृपाल (72),गेंदराम (40),आरती (9), ज्योति (13), पूजा (13), रजनी (35),छतराम (35),कृष्णा (25),महेश (19)।

1-20 रुपए के नोटों का नंबर होता था कोडवर्ड :इसी के जरिए हवाला कारोबार,नीरू भाई समेत 4 अरेस्ट, 80 लाख कैश,नोट काउंटिंग मशीन जब्त

भिलाई/रायपुर, एजेंसी।

महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप से मिलने वाली करोड़ों की काली कमाई को हवाला के जरिए अलग-अलग लोगों तक भेजा जाता था। रायपुर में ऑफिस खोलकर एक-दो रुपए के नोट के नंबर (कोड वर्ड) से हवाला के जरिए रकम दूसरे राज्यों में भेजी जाती थी। इस मामले में दुर्ग पुलिस ने हवाला कारोबारी नीरू भाई समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस इस मामले को ईडी को सौंपेगी।

दुर्ग एसपी जितेंद्र शुक्ला ने बताया कि, सबसे पहले भिलाई के रुआबांधा निवासी मुख्य आरोपी विनय कुमार यादव को पकड़ा गया। पुलिस रिमांड में उससे सख्ती से पूछताछ की गई। उसने बताया कि रायपुर के शंकर नगर स्थित एक ऑफिस से हवाला के जरिए रकम भेजता था।

आरोपी विनय यादव की निशानदेही पर दुर्ग पुलिस ने मंगलवार रात 10.30 बजे शंकर नगर के उसी ऑफिस में छापेमारी की थी, जहां से उसने हवाला के जरिए रकम भेजने की बात कही थी। छापे के दौरान यहां से 80 लाख रुपए कैश और कागज के कई बंडल मिले। जिनमें गुजराती भाषा में पूरा हिसाब-किताब लिखा हुआ था।

एसपी का कहना है कि वे उस कागज पर लिखी गई रकम और भाषा को एक्सपर्ट से पढ़वाएंगे। आरोपियों से पूछताछ में बड़ा खुलासा हो सकता है। इसके साथ ही पुलिस ने बड़ी संख्या में मोबाइल और नोट गिनने की 3 मशीनें भी जब्त की हैं।

इन आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

पुलिस ने इस मामले में कुल चार आरोपियों को पकड़ा है। मास्टरमाइंड पवन सिंह के बाद उसकी निशानदेही पर 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें शक्ति सिंह जटेजा (26 वर्ष), जयेन्द्र सिंह जटेजा उर्फ नीरू भाई (21 वर्ष) और आकाश कुमार दवे (31 वर्ष) शामिल हैं। ये सभी मूल रूप से गुजरात के धरमोड़ा गांव के रहने वाले हैं।

1-2, 5-10 और 20 रुपए के नोट होते थे टोकन नंबर

आरोपियों ने बताया कि, उनके यहां से ऑनलाइन सट्टे से मिलने वाली रकम को हवाला के जरिए एक से दूसरी जगह भेजा जाता था। वे अपने मोबाइल फोन से एक से 20 रुपए तक के नोटों के नंबरों की फोटो खींचकर ग्राहकों को भेजते थे। जो भी व्यक्ति उनके दफ्तर में वह टोकन नंबर दिखाता था, उसे हवाला का पैसा थमा दिया जाता था।

आरोपी दिनेश भाई व्यास की तलाश में पुलिस

दुर्ग पुलिस ने बताया कि, हवाला का कारोबार दिनेश भाई व्यास नाम के व्यक्ति के जरिए संचालित किया जाता था। वह अहमदाबाद में रहता है। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए एक टीम को अहमदाबाद भेजा है। दिनेश की गिरफ्तारी के बाद बड़ा खुलासा होने की उम्मीद है।

सुविचार

जीवन का कड़वा सच: जैसा कर्म करोगे, उसी के अनुरूप ही फल मिलेगा।

राजनीति

उच्च सदन में मर्यादा जरूरी

आम चुनाव का परिणाम सामने आने के बाद 18 वीं लोकसभा का प्रथम सत्र इन दिनों चल रहा है। बतौर नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी ने भाषण दिया। 90 मिनट तक उनका भाषण पूरा सदन शांत होकर सुनता रहा। राहुल गांधी भगवान शिव की तस्वीर लेकर पहुंचे थे। शुरूआती भाषण में उन्होंने पहले अंग्रेजी में, फिर आधी अंग्रेजी-आधी हिन्दी फिर हिन्दी में भाषण देने लगे। एक ही वाक्य को वे कई बार दोहराते देखे गए। सदन शांत होकर सब सुन रहा था, तभी राहुल गांधी का नफरत फैलाने वाला भाषण प्रारंभ हुआ और वे कहने लगे कि जो अपने आप को हिन्दू कहते हैं वो 24 घंटे हिंसा-हिंसा, नफरत-नफरत, असत्य-असत्य की बात करते हैं। इसी वाक्य को उन्होंने तीन बार दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी से रहा नहीं गया और उन्होंने सिर्फ दो वाक्य में जवाब दिया, राहुल का यह भाषण ठीक नहीं और उन्होंने कहा कि हिन्दू कभी हिंसक नहीं हो सकते। फिर क्या था राहुल के भाषण के बाद सदन में हंगामा मच गया और अमीत शाह सहित कई नेता उठ खड़े हुए और राहुल के भाषण के खिलाफ जवाब दिया। उच्च सदन में मर्यादा जरूरी है। जिस हिन्दुस्तान में हिन्दू बाहुल्य जनता रहती है, उनका उच्च सदन में मर्यादा रखना जरूरी है। राहुल गांधी के भाषण से पूरे देश में उबाल मच गया और जगह-जगह उनके हिन्दू विरोधी बयान का विरोध शुरू हो गया। उच्च सदन में राष्ट्र की बात होनी चाहिए, जिससे देश को आगे ले जाया जा सके। अपने ही जब अपनों की निंदा करता है तो इसका गलत संदेश विश्व में जाता है। देश के विकास की बात होनी चाहिए, समस्याएं दूर हो-इसकी बात होनी चाहिए। सरकार की उन योजनाओं का समर्थन होना चाहिए, जिससे जनता सीधे लाभान्वित होती है, उनका विरोध होना चाहिए जो देश हित में न हो। प्रधानमंत्री मोदी ने शपथ ग्रहण के बाद कहा था कि हम देश के विकास के लिए विपक्ष को साथ लेकर चलेंगे। विपक्ष को भी चाहिए कि उच्च सदन की गरीमा बनाए रखे और देश की बात करे, जनता की बात करे। समस्या दूर हो, इसकी बात करे। विवादित बयानों से उच्च सदन का समय बर्बाद होगा और जनता का अरबों रूपए की बर्बादी होगी। जनता को जो अच्छा लगे, उसका ध्यान हरेक प्रतिनिधि को रखना चाहिए। यही सदन की गरीमा है...।

संपादक

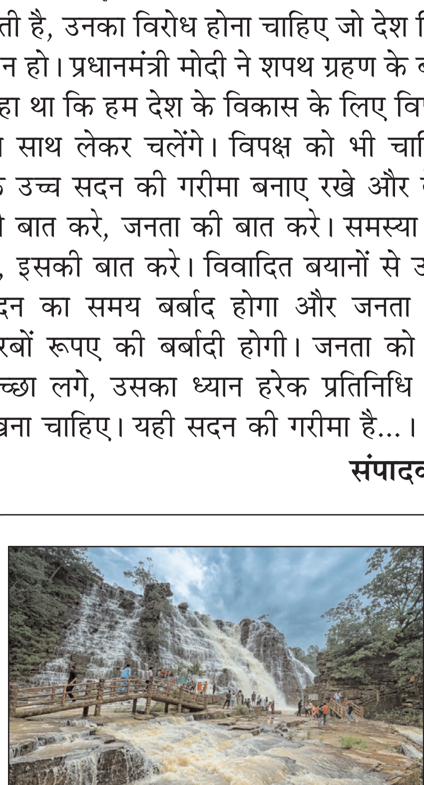

मानसून में तीरथगढ़ का सौंदर्य मंत्रमुग्ध करने वाला

छत्तीसगढ़ धनधान्य से परिपूर्ण होने के साथ-साथ प्रकृति ने यहां जी खोलकर सौंदर्य को परोसा है। पूरे छत्तीसगढ़ में पहाड़ों, नदियों, झरनों से अटा पड़ा है। इनमें से तीरथगढ़ पर्यटन स्थल भी शामिल है। तीरथगढ़ का मनमोहक दृश्य मानसून में देखते ही बनता है। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में कांगेर घाटी पर स्थित कई झरने स्थित है। तीरथगढ़ झरने जगदलपुर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में 35 किमी की दूरी पर स्थित है। तीरथगढ़ देश के सबसे ऊंचे झरनों में शामिल है। यह 300 फीट पहाड़ से नीचे गिरता है और लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यहां से कुछ दूरी पर कांगेर राष्ट्रीय उद्यान भी है, जहां पर्यटक हर साल बड़ी संख्या में देश-विदेश से पहुंचते हैं। लोगों को यहां आकर लगता है कि बार-बार इस प्रकृति की गोद में आते रहें...।

हिन्दू होने का गर्व करो, विश्व में बढ़ रही है हिन्दुत्व की स्वीकार्यता

सदन में राहुल गांधी ने स्पष्ट कहा है कि जो लोग अपने आपको हिंदू कहते हैं वो 24 घंटे हिंसा-हिंसा-हिंसा, नफरत-नफरत-नफरत, असत्य-असत्य-असत्य की बात करते हैं।

राहुल गांधी पहली बार संवैधानिक पद-लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में पहली बार सदन में बोले। राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर उद्‌बोधन हो रहा था। नेता प्रतिपक्ष की बारी आयी तो राहुल गांधी ने मोदी के खिलाफ सदन में सख्त तेवर दिखाए और अपने 90 मिनट के भाषण में सिर्फ हिन्दूओं के बारे में अनर्गल बातें करते रहे। उनके भाषण से भाजपा को बड़ा मुद्दा मिल गया और सदन के बाहर पूरे देश में बवाल मच गया। सदन में भी गर्मा-गर्मी का माहौल दिखा। राहुल गांधी का भाषण हो ही रहा था, तो प्रधानमंत्री मोदी उठ खड़े हुए और राहुल के भाषण का दो लब्जों में विरोध प्रकट किया और कहा कि हिन्दु कभी हिंसा की बात नहीं करते, मैं राहुल गांधी के भाषण का विरोध करता हूं। फिर क्या था। दूसरे दिन पूरे भारत में भाजपा ने हिन्दू संगठन -हिन्दू के बारे में दिये गए भाषण का विरोध किया। जगह-जगह उनका पुतला दहन किया गया और सदन से लेकर सड़क तक एनडीए के लोगों ने राहुल से माफी मांगने की मांग की। राहुल के इस भाषण के बाद सदन में भी हंगामा मच गया। अमित शाह ने भी राहुल गांधी के भाषण का विरोध करते हुए देश से माफी मांगने की मांग की। भाजपा के फायर ब्रिगेड डॉ.गिरिराज सिंह ने भी कड़े तेवर दिखाए और राहुल गांधी के भाषण का विरोध किया। उन्होंने कहा कि कोई भी हिन्दू हिंसक नहीं होता बल्कि हिन्दू वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत पर चलता है और विश्व कल्याण की भावना रखता है। वैसे हिन्दुओं पर आक्षेप लगाना कांग्रेस की पुरानी आदत है। सदन में राहुल गांधी ने स्पष्ट कहा है कि जो लोग अपने आपको हिंदू कहते हैं वो 24 घंटे हिंसा-हिंसा-हिंसा, नफरत-नफरत-नफरत, असत्य-असत्य-असत्य की बात करते हैं। राहुल के इस बयान से भाजपा को बड़ा मुद्दा मिल गया।

जब कोई व्यक्ति अपने पूर्वजों के बारे में लज्जित होने लगे, तब समझ लो कि उसका अंत आ गया। सबको अपने पूर्वजों पर गर्व होना ही चाहिए। हिन्दू तो उन महान ऋषियों के वंशज हैं, जो संसार में अद्धितीय रहे हैं। इसलिए उन्हें हिन्दू होने का गर्व है और होना भी चाहिए। सम्पूर्ण विश्व पर हिन्दू समाज का महान ऋण है। सम्पूर्ण विश्व में हिन्दू ही एक ऐसी जाति है जिसने कभी किसी पर आक्रमण नहीं किया। हम दुनिया में शांति व सौहार्द का संदेश लेकर गये। हमने किसी को अपना गुलाम नहीं बनाया। दुनिया की पीड़ित मानवता को हिन्दुओं ने ही गले लगाया। ऐसे सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामया और वसुधैव कुटुम्बकम की भावना रखने वाले हिन्दू समाज को हिंसक बताया जा रहा है। हिन्दू समाज भी इतना उदार व सहनशील है कि वह भी अपने ऊपर लगने वाले आरोपों को सहन करता जा रहा है। यह स्थिति वास्तव में हिन्दू समाज के लिए आत्मघाती है।

स्वामी विवेकानन्द जी कहते थे कि तभी और केवल तब ही तुम हिन्दू कहलाने के अधिकारी हो, जब इस नाम को सुनते ही तुम्हारी रगों में शक्ति की विद्युत तरंग दौड़ जाये। हम अहिंसा के पुजारी जरूर हैं लेकिन हमारे शास्त्रों का यह भी आदेश है कि यदि कोई तुम्हारे गाल पर थप्पड़ मारे और तुम उसका जवाब दस थप्पड़ों से न दो तो तुम पाप करते हो। हिन्दुस्थान का प्राण हिन्दू धर्म है। यदि हिन्दू धर्म पर आघात होगा, तो वह राष्ट्र पर आघात माना जायेगा। इसलिए हिन्दुओं को अपने शौर्य को प्रकट करने की जरूरत है।

राहुल गांधी का नेता प्रतिपक्ष के तौर पर पहला भाषण झूठ, निराशा और तथ्यहीन बातों से भरा हुआ था। राहुल गांधी ने अपने भाषण में न केवल संसदीय गरिमा को तार—तार किया बल्कि हिंदुओं को हिंसक, नफरती और झूठा बताकर हिन्दू समाज को अपमानित करने का काम किया है। इसकी जितनी भी निंदा की जाय, कम है। इस कृत्य के लिए राहुल गांधी को अविलंब माफी मांगनी चाहिए।

वैसे इसके लिए राहुल गांधी को दोष देना ठीक नहीं है। क्योंकि उनको वही संस्कार ही मिला है। भारत की प्रकृति - संस्कृति का उन्हें ज्ञान हीं नहीं है। राहुल गांधी के पास स्वयं की चिंतन प्रतिभा कुछ है नहीं। कम्युनिस्ट व मैकाले पुत्रों की बुद्धि के आधार पर वह बोलते व आचरण करते हैं। कांग्रेस की संस्कृति शुरू से विघटनकारी रही है। वह हमेशा समाज को बांटने में विश्वास करती है। कांग्रेस कई बार टूटी, कई दल बने लेकिन उनका मूल स्वभाव यथावत है। भारत विभाजन से लेकर आज तक कांग्रेस की कार्य संस्कृति में बदलाव नहीं आया है। महात्मा गांधी की चलती तो कांग्रेस समाप्त हो गयी होती। लेकिन गांधी के नाम का उपयोग करने वाले राहुल गांधी महात्मा गांधी का भी अपमान कर रहे हैं जिन्होंने कहा था हिन्दुत्व सत्य की अनवरत खोज का ही दूसरा नाम है। 24 जनवरी 1948 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने कहा था कि हमें अपनी उस विरासत और अपने उन पूर्वजों पर गर्व है जिन्होंने भारत को बौद्धिक एवं सांस्कृतिक श्रेष्ठता प्रदान की।

वैसे हिन्दुओं पर आक्षेप लगाना कांग्रेस की पुरानी आदत है। सदन में राहुल गांधी ने स्पष्ट कहा है कि जो लोग अपने आपको हिंदू कहते हैं वो 24 घंटे हिंसा-हिंसा-हिंसा, नफरत-नफरत-नफरत, असत्य-असत्य-असत्य की बात करते हैं। इससे राहुल गांधी की मंशा जाहिर होती है। जबकि सच्चाई सबको पता है कि 1984 में सिखों का नरसंहार किसने किया था। 1975 में आपातकाल किसने लगाया था। सच्चाई ये है कि संतों पर गोलियां किसने चलवाई थी? 2010 में तत्कालीन गृहमंत्री पी चिदंबरम ने हिंदुओं को आतंकवादी कहा था। 2013 में पूर्व गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे ने भी हिंदुओं को आतंकवादी बताया था। 2021 में राहुल गांधी ने हिन्दुत्ववादियों को देश से बाहर निकालने को कहा था और आज सम्पूर्ण हिंदुओं को असत्यवादी और हिंसक कहा। राहुल गांधी ने पहले भी कहा था कि मंदिर जाने वाले लड़कियों को छेड़ते हैं। संसद की बहस के दौरान ईश्वर के चित्रों को सामने रखना और राजनीति को इससे जोड़ना एक नेता प्रतिपक्ष को शोभा नहीं देता।

हिन्दू संस्कृति विजय की उपासक है, पराजय की नहीं। हमारे यहां किसी धर्म संस्थापक को फांसी देने का उदाहरण नहीं है। क्या हमारे प्रभु श्रीरामचन्द्र जी या योगेश्वर श्रीकृष्ण का पराभव किसी ने देखा या सुना है। जिनकी हम पूजा करते हैं वह कभी पराभूत नहीं हुए।

यह हिन्दू धर्म पर आक्षेप है। इसे सहन नहीं बल्कि अपने धर्म की रक्षा के लिए डट जाने का समय है। धर्म के प्रति हमारे हिन्दू भाईयों की श्रद्धा कहां चली गयी। संसद में खड़े होकर राहुल गांधी हिन्दू धर्म को हिंसक कहते रहे और हमारे सांसदों ने उन्हें बोलने दिया। वहीं दूसरे दिन जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भाषण करने खड़े हुए तो पूरे भाषण के दौरान विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया। विपक्ष की यह संस्कृति किसी भी लोकतांत्रिक देश के लिए ठीक नहीं है। अगर अभी हम नहीं चेते तो हमारा आगे आने वाला समय और भयावह होने वाला है। हिन्दू शांतिप्रिय है। इसका मतलब यह नहीं है कि वह चुपचाप गाली सहन करता रहेगा। सहने की भी एक सीमा होती है। हिन्दुओं ने हिंसा फैलाने का काम कभी किया ही नहीं। हिन्दू समाज जिस दिन हिंसक हो जायेगा उस दिन भारत में राहुल गांधी जैसे नेताओं को पैर रखने की भी जगह नहीं मिलेगी। अनेक आपत्ति-विपत्तियों को सहकर भी हिन्दू जाति आज भी जीवित है। भगिनी निवेदिता ने कहा कि हिन्दू धर्म एक ऐसे समाज का धर्म है जो कभी बर्बर नहीं बना। ज्ञान एवं शिक्षा के साथ कभी विरोध नहीं रहा।

यदि नेता का आचरण और व्यवहार ठीक नहीं है तो उसे स्वीकार्यता नहीं मिल सकती। नेता की विशेषता होती है कि वह भिन्न मत रूचि व विचार और प्रवृत्ति के लोगों को उनकी भावनाओं के आधार पर एकत्र रख सके। वह व्यक्ति नेता कभी नहीं बन सकता जिसके मन में हिन्दुओं के प्रति ईर्ष्या है। अगर हिन्दू समाज हिंसक होता तो राहुल गांधी जैसे नेता हिन्दुओं को हिंसक बोलने की हिम्मत ही नहीं जुटा पाते। यह हिन्दुओं को उत्तेजित करने और समाज को बांटने का प्रयास है। हिन्दू समाज उनके मंसूबों से वाकिफ है। हम सब एक हैं। सभी हिन्दू भाई—भाई हैं। वैसे राहुल गांधी के इस बयान से यह स्पष्ट हो गया है कि वह विपक्ष के नेता बनने की काबिलियत नहीं रखते। बात शांति से नहीं बनी तो कुरूक्षेत्र भी झेला है। शिव हैं हम लेकिन शंकर बन, रौद्र रूप भी धरा है।

जिन्हें भारत की एकता अखण्डता व समृद्धि नहीं सुहाती। वह हमारी राष्ट्रीय एकता और आपसी सदभाव बिगाड़ने का प्रयत्न करते हैं। इस प्रकार का कृत्य स्वामी विवेकानन्द, महर्षि अरविन्द व लोकमान्य तिलक का अपमान किया है। धर्म आधारित राजनीति का ही भारत में सम्मान था। निष्ठाहीन राजनीति समाज का भला नहीं कर सकती। कांग्रेस के नेता भारत माता की जय और वंदे मातरम बोलने से भी परहेज करते हैं। भूमि को माता के समान देखने की दृष्टि हमें वेदों से मिली है। जिन्होंने कहा माता भूमि **पुत्रोऽम** पृथिव्या:।

आज विश्व में हिन्दुत्व की स्वीकार्यता बढ़ रही है। लेकिन भारत की संसद में आक्रोश दिखता है। हिन्दू शब्द सुनते ही कुछ लोगों को बेचैनी होने लगती है। वह हिन्दू होने का अर्थ नहीं जानते। आज हिन्दू और हिन्दुत्व को लेकर भ्रम फैलाया जा रहा है। विविधता में एकता हिन्दू की विशेषता है।

हिन्दू किसी से द्वैष, वैर अथवा घृणा नहीं करता। ईश्वर अंश जीव अविनाशी। गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं कि अद्वेष्टा सर्वभूतानां मैत्र: करूणा एव च। अर्थात जब सभी के अंदर ईश्वरानुभूति होती है तब सभी प्राणियों के प्रति द्वेषभाव समाप्त होकर मित्रता, करूणा तथा प्रेम विकसित होता है। परोपकाराय: पुण्याय पापाय परपीड़नाम। गोस्वामी तुलसीदास ने भी कहा है कि परहित सरिस धर्म नहिं भाई। एकं सत विप्रा बहुधा वदन्ति। ऐसा जो मानते हैं वह हिन्दू हैं। इसलिए सर्वग्राही हिन्दू समाज पर लांछन लगाना पाप है। भारत में हिन्दू धर्म के रूप में ही नहीं बल्कि एक संस्कृति के रूप में सब स्वीकार करते हैं... लेकिन राहुल जी...।

साभार, एजेंसी- बृजनन्दन राजू

धर्म बना अंधभक्ति

हाथरस हादसे का आखिर जिम्मेदार कौन?

हाथरस घटना से 121 लोगों की मौत ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। बाबा नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा एक ढोंगी से ज्यादा कुछ नहीं। भारत में लोग अंधभक्त होकर ऐसे ढोंगी लोगों को सुनने जाते हैं और हादसे का शिकार हो जाते हैं। एक कुकृत्य के कारण एक कांस्टेबल से बर्खास्त होने के बाद नारायण साकार हरि कई साल तक जेल में रहा और जेल से निकलते ही अपना आध्यात्म का साम्राज्य स्थापित करने में लग गया। 17 साल से यह ढोंगी बाबा लोगों को अंधभक्ति का पाठ पढ़ाने में लगा हुआ है। 2 जुलाई को इस बाबा का प्रवचन था, जिसमें प्रशासन से आयोजकों ने 80 हजार लोगों के लिए कार्यक्रम की अनुमति मांगी थी, लेकिन हिन्दुओं की अंधभक्ति तो देखो, ढाई लाख से अधिक श्रद्धालु इस ढोंगी को देखने और सुनने पहुंचे थे। पंडाल का दरवाजा संकरा था, जब प्रवचन खतम हुआ तो बाबा का पैर छूने लोग दौड़ने लगे और एक आदमी फिसल कर गिरा और देखते ही देखते एक दूसरे को कुचलते सारे लोग निकल गए। पंडाल के आगे एक बड़ा गड्ढा भी था, जिसमें लोग गिरते गए और एक दूसरे के उपर गिरते गए और मिट्टी गिली होने के कारण दलदल था, जिसमें सैकड़ों लोग गिरे और एक दूसरे के ऊपर पड़ने के कारण वहां लोगों की दम घुटने से मौत होती गई और देखते ही देखते 121 लोग मौत के मुंह में समाते गए। 150 से अधिक लोग घायल हो गए। मरने वालों में महिलाएं और बच्चे अधिक थे और करीब 7 पुरूष श्रद्धालु ही मौत के मुंह में समाए। महिलाओं और बच्चों की लाशें देखकर पूरा देश सहम गया।

पुलिस ने आयोजकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली, लेकिन मुख्य आरोपी ढोंगी भोले बाबा उर्फ नारायण साकार हरि का नाम एफआईआर में दर्ज ही नहीं। इस ह्दय विदारक घटना के बाद ढोंगीबाबा भूमिगत हो गया और बुधवार को भोले बाबा ने घटना पर अपनी संवेदना व्यक्त की और दावा किया कि उनके कार्यक्रम स्थल से निकलने के काफी देर बाद अराजकता फैल गई। गॉडमैन ने भगदड़ के लिए असामाजिक तत्वों को भी दोषी ठहराया, जिसके परिणामस्वरूप लोगों की जान चली गई।

बाबा नारायण साकार हरि ने हाथरस कांड पर अपना पहला बयान जारी किया है, जिसमें मंगलवार को भगदड़ मचने से 121 लोगों की मौत हो गई थी। बयान में उन्होंने इस दुखद घटना के लिए असामाजिक तत्वों को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की है। एसडीएम की एक प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया है कि नारायण साकार हरि के अनुयायियों को भगवान की सुरक्षा द्वारा धक्का दिए जाने के बाद अराजकता फैल गई थी और फिसलन ढलान के परिणामस्वरूप भगदड़ हुई जिसमें 121 लोग मारे गए।

एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए भोले बाबा ने घटना पर अपनी संवेदना व्यक्त की और दावा किया कि उनके कार्यक्रम स्थल से निकलने के काफी देर बाद अराजकता फैल गई। गॉडमैन ने भगदड़ के लिए असामाजिक तत्वों को भी दोषी ठहराया, जिसके परिणामस्वरूप लोगों की जान चली गई। नारायण सरकार हरि द्वारा जारी बाद में कहा गया, मैं/हम मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए प्रभु/परमात्मा (भगवान) से प्रार्थना करते हैं। उन्होंने दावा किया कि दावा किया कि असामाजिक तत्वों द्वारा भगदड़ मचाई गई और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बाबा ने यह भी दावा किया कि मैं 2 जुलाई को गांव फुलारी, सिकंदराराऊ, हाथरस आयोजित सत्संग से काफी समय पहले ही निकल चुका था। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में मंगलवार को एक धार्मिक सभा में भगदड़ मचने से 121 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर महिलाएं थीं, क्योंकि श्रद्धालुओं की दम घुटने से मौत हो गई और शव एक-दूसरे के ऊपर ढेर हो गए। इस बीच, एक उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) के नेतृत्व वाली प्रारंभिक जांच में कहा गया है कि भगवान की सुरक्षा और फिसलन भरी ढलान द्वारा भक्तों को धक्का दिए जाने के बाद भगदड़ मची थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस में एक सत्संग के बाद हुई भगदड़ की घटना में साजिश की आशंका जाहिर करते हुए इसकी न्यायिक जांच कराने का बुधवार को ऐलान किया। उन्होंने घटना में साजिश की तरफ इशारा करते हुए कहा, ''यह हादसा था या कोई साजिश और अगर साजिश थी तो इसमें किसका हाथ है...इन सभी पहलुओं को जानने के लिए हम न्यायिक जांच भी कराएंगे, जो उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में की जाएगी।'' उन्होंने कहा कि इसमें प्रशासन और पुलिस के सेवानिवृत्त अधिकारियों को भी शामिल किया जाएगा ताकि इस घटना की तह में जाया जा सके और जो भी इसके लिए दोषी होगा उन्हें सजा दी जाएगी।

प्रधानमंत्री से लेकर योगी, राहुल सहित सभी पक्ष-विपक्ष ने संवदेना व्यक्त कर दी, लेकिन इस घटना से साफ जाहिर है कि इस तरह ढोंगी और कुकर्म के लिए कांस्टेबल से बर्खास्त व्यक्ति को सुनने के लिए लाखों की तादात में लोग अंधभक्ति करते हैं। ऐसा व्यक्ति जो अपने चरित्र को बचा नहीं सकता, वह धर्म उपदेश देता है और लोग उससे आशीर्वाद लेने जाते हैं। ऐसी अंधभक्ति से लोगों को जागरूक होना पड़ेगा और धर्म के नाम पर ढोंगी लोगों से बचना होगा...।

घर बैठे पाएं मुलायम और चमकदार बाल, फॉलो करें ये टिप्स

आपकी खूबसूरती में बालों का अहम रोल होता है, इसलिए जरूरी है कि इनका ध्यान अच्छे से रखा जाए। केवल शैम्पू और कंडीशनर से बालों को पूरा पोषण नहीं मिलता। इसके लिए नियमित रूप से हेयर स्पा की जरूरत होती है। ऐसा नहीं कि आप हर महीने पार्लर में जाकर स्पा ले रहीं हों बल्कि अगर आप घर पर ही स्पा लेती हों तो ज्यादा अच्छा रहता है। जानिए हेयर स्पा को घर पर ही लेने के कुछ तरीके

आयल मसाज

सबसे पहले जैतून या नारियल के तेल को गर्म कर लें, फिर हल्के हाथों से इसकी मसाज अपने बालों पर करें। तेल की मसाज बालों की जड़ों में भी करें। इस बात का ध्यान रखें कि हाथों का जोरों से इस्तेमाल न करें,

स्टीम

ऑयल मसाज करने के बाद अपने तौलिए को गर्म पानी में निचोड़ कर बालों पर लपेट लें। इसे 10 से 15 मिनट तक बांधे रखें। ऐसा करने से आपके बालों में जो तेल है, वह और ज्यादा अच्छी तरह से जड़ों तक पहुंच जाएगा। इससे बाल भी नरम होते हैं।

हेयर वॉश

तौलिए से बालों को भाप देने के बाद इन्हें शैम्पू से धो लें। ध्यान रखें कि ज्यादा गर्म पानी का इस्तेमाल ना करें। हल्का गुनगुना पानी ही बालों के लिए अच्छा होता है।

कंडीशनर

शैम्पू करने के बाद अपने बालों को अच्छी तरह से पोंछ लें। तौलिए से ज्यादा न रगड़ें, नहीं तो आपके बाल टूट सकते हैं। इसके बाद बालों को कंडीशनर कर मोटे दांतों वाले कंघे से सीधे कर लें। फिर इसे 15 से 20 मिनट तक छोड़ दें। आप अपना कोई प्राकृतिक कंडीशनर भी बालों में लगा सकती हैं, जैसे दही, अंडा आदि।

हेयर मास्क

अब अपने बालों को धो कर हेयर कंडीशनर हटाने के बाद बालों को सीधा कर इनमें हेयर मास्क लगा लें। इसे 15 मिनट बाद गुनगुने पानी से धो लें। महीने में एक बार घर पर ही हेयर स्पा जरूर करें। इससे आपके बाल मुलायम और चमकदार बन जाएंगे।

मामेरू सेरेमनी से अनंत अंबानी की शादी की रस्में शुरू, दुल्हन की तरह सजा एंटीलिया, गुजराती लुक में दिखा परिवार

मुम्बई (एजेंसी)।

अंबानी हाउस एंटीलिया में अनंत और राधिका की शादी की सेलिब्रेशन शुरू हो गई है। सामूहिक विवाह समारोहत के बाद आज बादमामेरूकी की रस्म रखी गई है। गुजराती ट्रेडिशन में इसे मामेरू सेरेमनी भी कहते हैं। मुकेश अंबानी, नीता अंबानी, ईशा-श्लोका और आकाश अंबानी सहित सारा परिवार ट्रडीशनल गेटअप में नजर आ रहा है। नीता अंबानी और ईशा अंबानी तो आरेंज रेड आउटफिट में बहुत ही प्यारी लग रही हैं। वही राधिका की मां शैला मर्चेंट भी आरेंज कलर के लहंगे में नजर आई हैं।

मामेरु समारोह क्या है ?

मामेरू एक गुजराती वेडिंग ट्रेडिशन है जिसमें दुल्हन के मामा उसे मिठाई और उपहार देने आते हैं। इस सेरेमनी में दुल्हन को पैनेतर साड़ी, ज्वेलरी, हाथीदांत या सफेद चूड़ा उसके चाचा या मामा की तरफ से दिया जाता है। इसके अलावा गिफ्ट के तौर पर मिठाई और सूखे मेवे दिए जाते हैं। बता दें कि अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट 12 जुलाई को मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में शादी के बंधन में बंधेंगे। मेहमानों को सेव द डेटवाले इनविटेशन कार्ड भी बांटे जा चुके हैं। कार्यक्रम के मुताबिक, 12 जुलाई को शादी, 13 को आशीर्वाद कार्यक्रम और 14 जुलाई को रिसेप्शन होगा।

मानसून में इस तरह करें पैरों की देखभाल, बढ़ेगी खूबसूरती

एजेंसी।

मानसून में स्किन से जुड़ी परेशानियां बढ़ जाती है। यह समस्याएं चेहरे के साथ-साथ पैरों में भी देखने को मिलती है। उसम भरे इस मौसम में बारिश के संपर्क में आने से पैरों में बदबू, इंफैक्शन जैसी समस्याएं होने लगती है। ऐसे में अगर आप भी पैरों से जुड़ी इन समस्याओं से परेशान है तो आप कुछ घरेलू नुस्खे अपना सकती है। चलिए जानते हैं उन देसी उपायों के बारे में...

पीनट ऑयल स्क्रब

सामग्री

. पीनट ऑयल- 7 से 8 बूंदे
. कॉफी पाउडर- 1 बड़ा चम्मच
. सी सॉल्ट- 1 छोटा चम्मच
. कॉर्न फ्लोर- 1 छोटा चम्मच

बनाने का तरीका-

. एक टब में यह सारी सामग्री मिलाएं।
. इस मिश्रण को घुटनों से लेकर पैरों तक अच्छे से 5-10 मिनट तक मसाज करें।
. 10-15 मिनट तक सूखने दें।
. फिर गुनगुने पानी से इसको धोकर टॉवल से साफ कर लें।

फायदा

नेचुरल चीजों से तैयार यह स्क्रब पैरों की डेड स्किन साफ करेगा। इससे स्किन को गहराई से पोषण मिलेगा। त्वचा का रूखापन दूर होकर स्किन साफ, निखरी और मुलायम नजर आएगी। साथ ही पैरों से बदबू आने की परेशानी दूर होगी।

ग्रीन टी बैग-

सामग्री-

. टी-बैग- 4-5
. डेटोल- 4-5 बूंदें
. गुनगुना पानी- 1 टब

बनाने का तरीका-

. टब में टी-बैग और डेटोल मिलाएं।
. अपने पैरों को इस पानी में 15-20 मिनट तक डुबोएं।
. फिर बाहर निकालकर साफ पानी से धों कर टॉवल से पोंछ लें।

फायदा

ग्रीन टी में टैनिक एसिड होता है, जो पैरों की रंगत निखारने में मदद करता है। यह डेड स्किन साफ करके और कीटाणुओं को खत्म करके पैरों की बदबू को दूर करता है।

ईशा अंबानी की सादगी ने फिर जीत लिया दिल

95,000 का सूट पहन लूट ली महफिल

मुम्बई (एजेंसी)।

अंबानी परिवार में जश्न का माहौल चल रहा है क्योंकि वे अपने सबसे छोटे बेटे अनंत अंबानी की शादी की तैयारियों में जो जुटे हुए हैं। अनंत की शादी 12 जुलाई को राधिका मर्चेंट के साथ होने वाली है। इस भव्य शादी से पहले परिवार ने पचास वंचित जोड़ों की सामूहिक शादी आयोजित क अपनी उदारता और सद्भावना को आगे बढ़ाया। इस कार्यक्रम में पूरा अंबानी परिवार परिवार शामिल था पर सबसे ज्यादा ध्यान खींचा मुकेश अंबानी की लाडली बेटी ईशा ने।

यह तो हम सभी जानते हैं कि ईशा का फैशन हमेशा नंबर वन रहा है, वह किसी भी आउटफिट में लोगों को निराश नहीं करती हैं। इस बार उनका एथनिक आउटफिट कुछ ज्यादा ही चर्चा में चल रहा है ईशा अंबानी ने इस अवसर पर डिजाइनर जोड़ी रिम्पल और हरप्रीत के शानदार मस्टर्ड कलर के कुर्ता सेट को कैरी किया था, जिस पर जटिल सुनहरी कढ़ाई की गई थी।

इस थ्री-पीस अटायर में सिल्क और जॉर्जेट से तैयार नी-लेंथ कुर्ती, स्ट्रेट-कट सलवार और जॉर्जेट का दुपट्टा था। कुर्ते की नेकलाइन को कॉलर बोन तक रखते हुए बीच में वी-कट दिया गया, जिसके साथ आभा से प्रेरित एम्ब्रॉइडरी की गई थी। बताया जा रहा है कि इस सूट की कीमत 95,000 रुपये है। इस आउटफिटक को डिजाइनर की वेबसाइट पर इतना ज्यादा पसंद किया गया कि यह कुछ ही दिनों में पूरा सोल्ड आउट हो चुका है।

ईशा का सूट शादियों में जाने के लिए एकदम सही है, खासकर दिन के समय के प्रोग्राम में। यह ईद, दिवाली या अन्य पारिवारिक समारोहों जैसे त्योहारों के लिए भी आदर्श है। मिसेज पीरामल ने इस सूट के साथ सुनहरे कड़े और सोने के झुमके चुने, जो उनके लुक को पारंपरिक बना रहा था। मेकअप के मामले में, उन्होंने न्यूड लिपस्टिक का विकल्प चुना। ईशा ने बालों को खुला ही रखा।

फेस कट के हिसाब से ही चुनें ज्वेलरी, खूबसूरती में लगेगा चार चांद

एजेंसी।

ज्वेलरी महिलाओं की खूबसूरती को बढ़ाने में बेहद मददगार होते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर आप अपने चेहरे के आकार के अनुसार ज्वेलरी चुनते हैं, तो इससे आपकी खूबसूरती में चार चांद लग जाएंगे। कान के आभूषण और हार के डिजाइन ऐसे होने चाहिए जो आपकी जॉ लाइन और चेहरे की लंबाई के अनुरूप हो। चलिए इसी के साथ जानते हैं इसके बारे में खास-

गोल चेहरा

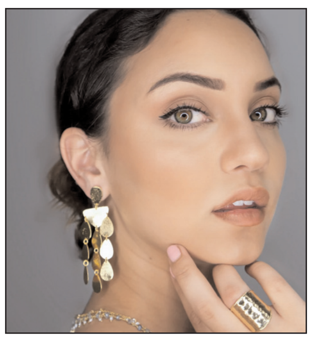

गोल चेहरे वाली महिलाओं को ऐसे आभूषण पहनने चाहिए, जो उनके चेहरे को थोड़ा लंबा आकार का दर्शाए। नैरो शैंडेलियर और टियर ड्रॉप इयररिंग्स (लंबी लटकन वाली बालियां) पहननी चाहिए।

रेक्टेंग्युलर चेहरा

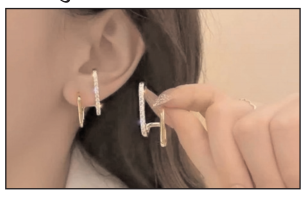

रेक्टेंग्युलर (आयताकार) चेहर के आकार वाली महिलाओं को गोल बटन ईयररिंग्स पहननी चाहिए। डेंटी ईयररिंग (छोटे टॉप्स या छोटी बालियां) भी ऐसी महिलाओं पर जंचती हैं।

ओवल शेप

अंडाकार यानी ओवल शेप चेहरे वाली महिलाएं कई तरह के प्रयोग कर सकती हैं, इस आकार वाली महिलाएं बड़े झुमके और बड़ी बालिया पहन सकती हैं, जो इन पर खूब खिलेगा।

ट्राएंगल फेस शेप

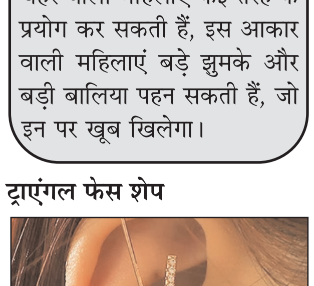

ट्राएंगल शेप के चेहरे वाली महिलाएं आसानी से दिल के आकार या पान के पत्ते के आकार वाले झुमके, ईयरकफ्स पहन सकती हैं। गले के हार के रूप में वे कई लेयर वाले या सिंगल चेन पहन सकती है। वी लाइन वाले हार ज्यादा अच्छे लगेंगे।

चौकोर आकार - स्क्वेयर (चौकोर) आकार के चेहरे वाली महिलाओं को बहुत बड़े और भड़कीले ईयररिंग पहनने से बचना चाहिए, वे लांग ड्राप्स, उनके चेहरे को लंबा दिखाने वाले नैरो ईयररिंग, गोल बाले पहन सकती हैं, जिसेस उनकी जॉ लाइन सही रूप में नजर आए।

आर्थिक तंगी से लेकर वैवाहिक जीवन खुशहाल बनाता है चांदी का मोर

एजेंसी। वास्तु शास्त्र के अनुसार, हर चीज की अपनी एनर्जी होती है। यह एनर्जी व्यक्ति पर पॉजिटिव और नेगेटिव असर डालती है। मान्यताओं के अनुसार, घर में रखी हर चीज का सुख-समृद्धि से कुछ न कुछ संबंध होता है। यदि यह चीजें सही दिशा में न रखी जाए तो व्यक्ति को नुकसान भी हो सकता है। वहीं इसके विपरित कुछ चीजों को घर में रखना शुभ भी माना जाता है, इन्हीं शुभ चीजों में से एक है चांदी का मोर। हिंदू धर्म में चांदी को बहुत ही शुभ माना जाता है और मोर देवताओं का प्रिय पक्षी है। ऐसे में चांदी से बना मोर घर में रखने से पॉजिटिविटी आती है। तो चलिए आज आपको बताते हैं चांदी का मोर घर में रखने के फायदे।

वैवाहिक जीवन रहेगा खुशहाल

यदि आपके शादी शुदा रिश्ते में कड़वाहट रहती है तो घर में जोड़े के रुप में चांदी का मोर रखें। वास्तु शास्त्र के अनुसार, यह पति-पत्नी के रिश्ते में प्यार और शांति का संचार करता है।

नेगेटिविटी होगी दूर

घर में इसे रखने से नेगेटिविटी दूर होती है और सुख-समृद्धि का संचार होता है। ड्राइंग रुम में इसे रखने से व्यक्ति का दुर्भाग्य भी दूर होता है और व्यक्ति को हर कार्य में सफलता मिलती है।

पूजा घर में रखें

पूजा-पाठ में चांदी का इस्तेमाल करना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसे में घर के मंदिर या फिर पूजा स्थल में शांत अवस्था में बैठे हुए चांदी के मोर को रखें। मान्यताओं के अनुसार, इससे आपको पूजा का दोगुना फल मिलेगा।

सिंदूर की डिब्बी में

चांदी को सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है ऐसे में शादीशुदा महिलाओं को चांदी के मोर को डिबिया में सिंदूर में रखना चाहिए। इससे उन्हें अखंड सौभाग्य का वरदान मिलेगा।

आर्थिक तंगी होगी दूर

यदि आपके हाथ में पैसा नहीं टिकता या फिर घर में पैसे की दिक्कत है तो चांदी का नाचता हुआ मोर घर में रखें। मान्यताओं के अनुसार, यह आर्थिक तंगी से छुटकारा दिलवाने में मदद करता है।

सनसनी: खड़गे,राहुल,वेणुगोपाल,वीरप्पा मोइली, हरीश चौधरी, सचिन पायलट को भेजे गुमनाम पत्र से कांग्रेस-भाजपा में खलबली

सरोज पांडेय के खिलाफ दो मंत्री, तीन विधायक सहित कई भाजपा नेताओं ने किया प्रचार, सांठगांठ कर कांग्रेस को जिताया

ज्योत्सना की जीत में चरणदास का कोई रोल नहीं

पूरे छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की हार का कारण एक मात्र भूपेश बघेल, भूपेश के अंहकार ने डूबो दिया कांग्रेस को

कोरबा(दिव्य आकाश)।

सोशल मीडिया पर एक गुमनाम पत्र जमकर वायरल हो रहा है और लोगों के पास पहुंच रहा है। लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद कांग्रेस में हार के कारणों का मंथन जारी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने पूर्व केबिनेट मंत्री वीरप्पा मोईली को इसके लिए छत्तीसगढ़ भेजा है। एक गुमनाम पत्र श्री मोईली के हाथ भी लगा है। इस गुमनाम पत्र में लिखा गया है कि पूरे छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की हार का एक मात्र कारण भूपेश बघेल है। पत्र में लिखा गया है कि भूपेश बघेल का घमंड, अहंकार और बदतमिजी से बात करना, एकला चलो की राजनीति, संगठन को दरकिनार करना, जातिवाद की घटिया मानसिकता, उसका भ्रष्टाचार और गलत टिकट वितरण... आदिवासी, साहू और सवर्ण, सतनामी नेतृत्व को दरकिनार करना और अपमानित करना...।

सौम्या, रामगोपाल, गिरीश देवांगन, अनिल टूटेजा, सूर्यकांत तिवारी, विनोद वर्मा, प्रदीप शर्मा, राजेश तिवारी, ढेबर जैसे लोग...सट्टा, शराब,कोयला... घोटाला... से कांग्रेस की छबि खराब कर... ये सब कारण कांग्रेस की हार का मुख्य कारण है और वरिष्ठ कांग्रेसियों एवं सक्रिय कांग्रेसियों को दरकिनार कर हरवाने के लिए गलत टिकट वितरण...।

पत्र में यह भी लिखा गया है कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने मात्र एक सीट कोरबा लोकसभा क्षेत्र जीती,इस जीत में ज्योत्सना महंत या चरणदास महंत का कोई रोल नहीं है, बल्कि सरोज पांडेय की हार का कारण सिर्फ भाजपा नेता हैं। गुमनाम पत्र में तीन एमएलए और दो मंत्री को बताया गया है, लेकिन इसमें नाम का उल्लेख नहीं किया गया है। पत्र में लिखा गया है कि सरोज पांडेय को हराने के लिए भाजपा नेताओं ने कांग्रेस के साथ सांठगांठ कर ज्योत्सना महंत को जीताने के लिए लॉबिंग की। पत्र में लिखा गया है कि सरोज पांडेय की कोरबा से जीत तय थी, लेकिन कई बड़े भाजपा नेताओं ने सरोज पांडेय को हराने के लिए काम किया। इस पत्र से भाजपा कांग्रेस में खलबली मची हुई है। चूंकि गुमनाम पत्र को हाथ से नहीं लिखा गया है, जिसके कारण इसकी पहचान करना मुश्किल है। संभव है कोरबा लोकसभा क्षेत्र में भाजपा की हार के कारणों का भी मंथन होगा... और इस गुमनाम पत्र का जिक्र जरूर आएगा। भाजपा के लिए भी यह बात गंभीर चिंतन का विषय हो सकती है और भाजपा के ऐसे गद्दारों का चिन्हांकन भी जरूरी है जो मातृ संस्था के लिए ईमानदार नहीं हो सकते, वे राष्ट्र या अपनी माटी के लिए ईमानदार कैसे हो सकते हैं?

गुमनाम पत्र पढ़ें...

एनकेएच में केक काटकर मनाया डॉक्टर डे : डायरेक्टर डॉ. चंदानी ने कहा- डॉक्टरों के साथ नर्सिंग स्टाफ की सेवा भी महत्वपूर्ण है

कोरबा (दिव्य आकाश)।

एनकेएच न्यू कोरबा हॉस्पिटल में सोमवार को डॉक्टर्स-डे मनाया गया। इस मौके पर एनकेएच ग्रुप डायरेक्टर डॉ. एस.चंदानी, एडीसी डायरेक्टर डॉ. वंदना चंदानी व सभी डॉक्टरों कोरबा व जमनीपाली ब्रांच ने केक काटकर सभी को विश्व चिकित्सक दिवस की बधाई दी। डॉक्टरों ने देश के महान डॉक्टर विधानचंद्र रॉय को भी याद करते हुए समाज की सेवा करने का भी संकल्प लिया गया। मरीजों की सेवा को सर्वोपरि मानकर इस दिन को मनाने का मकसद बेहतर स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करना और डॉक्टरों को उनकी समर्पित सेवा के लिए शुक्रिया करना है। यह दिन स्वास्थ्य सेवा देने वाले कर्मचारियों के अथक प्रयास और मेहनत को याद करने का होता है जो मरीजों का जीवन बचाने के लिए दिन-रात काम करते हैं। डॉक्टरों ने अपने कर्तव्यों से समझौता किए बिना कोविड-19 के प्रकोप के दौरान महामारी का सामना करते हुए सबसे आगे खड़े होकर नेतृत्व किया।

डायरेक्टर डॉ. एस.चंदानी ने कहा कि आज का दिन जितना डॉक्टरों के लिए महत्वपूर्ण है, उससे ज्यादा महत्व एवं चिकित्सा में सेवा का श्रेय नर्सिंग स्टाफ को जाता है जिनके अथक प्रयासों से ही कोई भी चिकित्सक किसी मरीज को स्वास्थ्य कर पाता है। डॉ. वंदना चंदानी ने कहा कि यह खास दिन समाज में डॉक्टरों के महत्वपूर्ण योगदान को याद करने के लिए है। डॉक्टर्स डे समाज में डॉक्टरों की भूमिका को चिह्नित करने के लिए मनाया जाता है। डॉक्टर यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास करते हैं कि मरीज अच्छे से स्वास्थ्य रहें। अपने देश में डॉक्टर को इंसान के रूप में भगवान की तरह देखा जाता है। डॉक्टर्स-डे देश ही नहीं पूरे विश्व के डॉक्टरों के लिए अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. एस. एल. पालीवाल, डॉ. आर. पालीवाल, डॉ.अविनाश तिवारी, डॉ. अरुण तिवारी, डॉ ज्योती श्रीवास्तव, डॉ. डी. एच.मित्तल, डॉ. नागेंद्र बागरी, डॉ. अविनाश सिंग, डॉ सुदीप्ता साहा, डॉ. रोहित मजूमदार, डॉ.पाण्डेय, डॉ. सचिन टी.आर, डॉ अमन श्रीवास्तव, डॉ. यशा मित्तल, डॉ. रिया दुबे, डॉ. आशीष, डॉ बरखा, डॉ ज्योति, डॉ.रतनदीप तिवारी, डॉ प्रवीण समेत अस्पताल के सीनियर स्टाफ उपस्थित रहे।

महतारी वंदन योजना से महिलाओं को मिल रही वित्तीय सुरक्षा

कोरबा (दिव्य आकाश)

महिलाओं को वित्तीय रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जनहितैषी छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा महतारी वंदन योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश की महिलाओं को 1000 रुपए की आर्थिक मदद हर महीने सीधे डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खाते में प्राप्त होती है। जिससे महिलाएं स्वावलंबन की राह पर आगे बढ़ सकें एवं अपनी सेहत एवं आर्थिक स्थिति में सुधार कर पाएं। पूरे राज्य की तरह जिले में भी इस योजना का सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा है। कोरबा विकासखण्ड के कोरकोमा की रहने वाली श्रीमती गीता नायक ने योजना की प्रशंसा करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह एक सार्थक प्रयास है। योजना से मिलने वाली राशि जरूरतमंद महिलाओं के लिए मुश्किल वक्त का सहारा बनी है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना से प्रतिमाह खाते मे 1000 रुपए मिलने से महिलाओं को अपनी छोटी-बड़ी जरूरतों को पूरा करने में आसानी होती है।

सांसद ज्योत्सना महंत ने सीएसईबी कोरबा पूर्व के निवासियों को दी गई नोटिस पर लिया संज्ञान

सीएसईबी के घरों से बेदखल करना ठीक नहीं,बीएसपी की तर्ज पर दें बसाहट

कोरबा (दिव्य आकाश)

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल के कोरबा पूर्व स्थित वर्षों पुराने आवासीय कालोनी में रह रहे लोगों को ऐन बरसात के वक्त बेदखल करने के प्रयासो को कोरबा सांसद ने अनुचित करार दिया है।

कोरबा लोकसभा क्षेत्र की सांसद ज्योत्सना चरणदास महंत के संज्ञान में यह बात लाई गई है कि सीएसईबी कोरबा पूर्व के प्रबंधन द्वारा एसएफ टाईप कालोनी के लोगों को दो दिन पूर्व नोटिस जारी कर मकान खाली करने कहा गया है और उनका पानी-बिजली आपूर्ति बंद करने की बात कही गई है। सांसद ने कहा है कि सीएसईबी का कोरबा में स्थापित पहला विद्युत संयंत्र देश-प्रदेश को रौशन करता रहा और उसने कोरबा को एक पहचान दी है। इसकी कालोनी में रह रहे लोगों को ऐन बरसात के वक्त बेदखल करने का प्रयास निवासरत परिवारों के लिए मुसीबत से कम नहीं। सांसद ने कहा कि प्रदेश में सरकार बदलते ही रुख दिखाना शुरू हो गया है। कालोनी के आवासों में वर्षों से रह रहे लोगों के पास दूसरा कोई आशियाना नहीं है और ऐसे में जरूरत है कि कोई ठोस और स्थायी उपाय किये जाएं। सांसद ने कहा कि सरकार इन्हें बेदखल कराने की बजाय भिलाई स्टील प्लांट की तर्ज पर सीएसईबी की कालोनियों में स्थायी बसाहट देने की दिशा में काम क्यों नहीं करती? मौजूदा आवासों की मरम्मत कराया जाकर उसमें रह रहे लोगों से सुविधा के नाम पर शुल्क और एक निर्धारित किराया लेकर भी आवास की बड़ी समस्या से राहत देने के साथ-साथ आवश्यक सुधार व संधारण के लिए शुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। सांसद ने कहा कि सरकार की आवासीय योजनाओं का लाभ आज भी हजारों जरूरतमंदों को अप्राप्त है। ऐसे सैकड़ों परिवार सीएसईबी के आवासों में रहकर अपना गुजर-बसर कर रहे हैं, जिन्हें बेदखल करने की बजाय स्थायी समाधान देने की आवश्यकता है। सांसद ने कहा है कि फिलहाल बरसात के मौसम तक किसी भी तरह की बेदखली और बिजली, पानी की सुविधा बाधित करने जैसी कोई भी कार्रवाई न करें। इस संबंध में उन्होंने जिला प्रशासन से भी आवश्यक कदम उठाने की अपेक्षा जाहिर की है। सांसद ने यह भी कहा कि आवासीय परिसर को प्रभावित करने की वजह से कोरबा का ब्यापार भी प्रभावित होगा इस बात का भी ध्यान शासन प्रशासन को रखना होगा !

शराब दुकान में सेंधमारी

कोरबा (दिव्य आकाश)

सर्वमंगला पुलिस चौकी अंतर्गत बरमपुर मार्ग स्थित देशी शराब भट्टी में सेंधमारी कर शराब की पेटी व नगद रूपये को अज्ञात चोरों ने पार कर दिया। मामले में जुर्म दर्ज कर पुलिस अज्ञात चोरों की तलाश में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक आज गुरुवार सुबह सेल्समेन और सुपरवाइजर दुकान खोलने पहुंचे तो देखा कि दुकान के दीवाल का पीछे हिस्सा टूटा हुआ है। इसकी जानकारी तुरन्त पुलिस और अपने अधिकारी को दी। पुलिस शराब दुकान पहुंची तो देखा कि दीवाल में सेंध मारी गई है। देशी शराब की 4 से 5 पेटी की चोरी होने के साथ ही लॉकर में रखी करीब नगदी चिल्हर रकम करीब 4-5 हजार रुपये नहीं थे।

चोरी की वारदात सीसीटीवी कैमरा में कैद हो गई है। सेंध वाली जगह से एक दुबला-पतला लड़का भीतर घुसकर चोरी करता नजर आया है। मामले में पुलिस ने जुर्म दर्ज कर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। चोर की पहचान स्थानीय युवक के रूप में कर ली गई है, उसे और उसके साथी की धरपकड़ के लिए पुलिस प्रयासरत है।

न्यायालय तहसीलदार भैसमा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

95/ 03/07/2024

।। ईश्तहार ।।

रा.प्र.क. 202407051800001
श्रेणी-अ-6 वर्ष 2023-24
प.ह.नं.-13, ग्राम-बताती

सर्वसाधरण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक राम प्रकाश राठिया पिता बहादुर सिंह राठिया जाति कंवर निवासी ग्राम बताती तहसील भैंसमा जिला-कोरबा (छ.ग.) द्वारा इस आशय से आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम बताती प.ह.नं. 13 रा.नि.म. पसरखेत तहसील भैसमा जिला कोरबा (छ.ग.) में स्थित भूमि खसरा नं. 401/1, 408, 409 रकबा क्रमशः 0.507, 1.196, 0.332 हे. कुल खसरा नं. 03 कुल रकबा 2.035 हे. भूमि आवेदक के बड़े पिता सुकसिंह पिता धनसाय के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज चला आ रहा है। खातेदार सुकसिंह पिता धनसाय के द्वारा उक्त वर्णित भूमि को आवेदक के पक्ष में दाननामा विलेख दिनांक 17/07/2013 को निष्पादित किया है। खातेदार सुकसिंह पिता धनसाय का नि:संतान फौत दिनांक 11/11/2019 को हो चुका है। आवेदक के द्वारा उक्त वर्णित भूमि को दाननामा विलेख के माध्यम से अपने नाम पर नामांतरण करने बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर भुइंया आईडी में दर्ज करने के उपरांत प्रकरण में विस्तृत जांच हेतु प्रकरण न्यायालय में हस्तांतरित किया गया है।

उक्त के संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था का कोई आपत्ति हो तो वह अपना दावा/आपत्ति इस न्यायालय में नियत तिथि दिनांक 26/07/2024 तक स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 03/07/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी।

तहसीलदार
भैसमा, जिला कोरबा (छ.ग.)

छत्रपाल सिंह कंवर तीसरी बार निर्वाचित हुए सात गढ़ कंवर समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष

कोरबा (दिव्य आकाश)।

समाज को आगे बढ़ाने टीम भावना के साथ किया जाएगा काम-छत्रपाल सिंह कंवर

सात गढ़ कंवर समाज के तीसरी बार केन्द्रीय अध्यक्ष बनने के बाद अपने उद्‌बोधन में छत्रपाल सिंह कंवर ने सबसे पहले सभी पदाधिकारियों एवं वरिष्ठजनों का आभार जताया और कहा कि इस पद के लिए मुझे आपने जिम्मेदारी सौंपी है, यह मेरे लिए गर्व का विषय है। मैं विश्वास दिलाता हूं कि समाज को और सशक्त एवं शिक्षित बनाने के लिए टीम भावना के साथ काम करूंगा और समाज के हर व्यक्ति का सम्मान होगा।

वरिष्ठ नेता छत्रपाल सिंह कंवर सात गढ़ कंवर समाज के तीसरी बार केन्द्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए। गत दिनों पाली-चैतुरगढ़ रोड स्थित ग्राम लाफा में गोडवाना भवन बड़ादेव शक्तिपीठ में बिलासपुर संभाग अंतर्गत सात गढ़ के कंवर समाज के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की आवश्यक बैठक संपन्न हुई, जिसमें सातगढ़ कंवर समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष के लिए निर्वाचन संपन्न हुआ।

निर्वाचन पदाधिकारी के रूप में डॉ. रूद्रपाल सिंह कंवर, नारायण सिंह पैकरा, गणराज सिंह कंवर, धर्म प्रकाश सिंह, जयमंगल सिंह पैकरा एवं हरि सिंह पैकरा ने विधिवत रूप से शांतिपूर्ण ढंग से निर्वाचन संपन्न कराया। केन्द्रीय अध्यक्ष पद हेतु कुल तीन लोगों ने नामांकन दाखिल किया, जिसमें पूर्व तहसीलदार एसएन सिंह,बीएस कंवर एवं पूर्व केन्द्रीय अध्यक्ष छत्रपाल सिंह कंवर शामिल थे। नाम वापसी की तय सीमा में किसी ने भी अपना नाम वापस नहीं लिया और तीनों ने चुनाव लड़ने का फैसला किया। निर्वाचन पदाधिकारियों ने निर्वाचन की प्रक्रिया आगे बढ़ाई और मतदान कराया गया। बिलासपुर संभाग में 38 इकाई चक के पदाधिकारियों ने मतदान में हिस्सा लिया। इकाई अध्यक्ष के अलावा उपाध्यक्ष सचिव एवं कोषाध्यक्षों ने अपने मताधिकारों का प्रयोग किया। 38 इकाई चक पदाधिकारियों जिसमें कुल 152 संख्या हैं, इसमं से 16 मतदाता अनुपस्थित रहे और कुल 136 मत डाले गए।

निर्वाचन पदाधिकारियों ने मतदान के बाद मतगणना की प्रक्रिया प्रारंभ की। जिसमें बीएस कंवर को 16, एसएन सिंह को 26 एवं छत्रपाल सिंह कंवर को 92 मत प्राप्त हुए और मतगणना के बाद जो परिणाम आया, उसमें छत्रपाल सिंह कंवर को ऐतिहासिक मत प्राप्त हुए और एक तरफा जीत हासिल की। इस तरह छत्रपाल सिंह कंवर तीसरी बार सात गढ़ कंवर समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

समय अधिक होने के कारण महासचिव, उपाध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष का चुनाव नहीं हो सका और गत 30 जून को सात गढ़ कंवर समाज का केन्द्रीय कार्यालय महेशपुर में संपन्न हुआ और इस तरह नई कार्यकारिणी का गठन पूरा हुआ। इस चुनाव में महासचिव के पद पर चंपाल सिंह, कोषाध्यक्ष एसएन सिंह एवं उपाध्यक्ष के पद पर कोरबा गढ़ से मनहरण सिंह, छुरीगढ़ से हिमांचल सिंह, पोड़ीउपरोढ़ा गढ़ से बद्री विशाल सिंह, केंदा से रामजी, लाफा गढ़ से कंचन सिंह, निर्वाचित हुए। इस तरह केन्द्रीय पदाधिकारियों का चुनाव संपन्न हुआ। सभी निर्वाचित पदाधिकारियों का महामाला से स्वागत किया गया और मुंह मीठा कर सबको बधाई दी।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि कंचन सिंह पैकरा, कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य जवाहर सिंह पैकरा, अतिविशिष्ट अतिथि कटघोरा के पूर्व विधायक पुरूषोत्तम कंवर, लाल सिंह पैकरा, धनसिंह कंवर, चमरा सिंह पैकरा, चमार सिंह पकैरा, शिव नारायण सिंह कंवर,धर्मप्रकाश, विशिष्ट अतिथि छत्रपाल सिंह कंवर, सूरज सिंह जात्रा, गंगा सिंह कंवर, जगबीर सिंह पैकरा, महेन्द्र सिंह कंवर,उमेंद सिंह कंवर,भुनेश्वर सिंह कंवर, शिवराज सिंह कंवर, निलांबर सिंह कंवर, रूपेन्द्र सिंह पैकरा, विजय प्रभात कंवर, श्रीमती लीला कंवर सहित अन्य अतिथियों ने ठाकुर देव की पूजा अर्चना की और उसके बाद आयोजन समिति ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के अंत में छत्रपाल सिंह कंवर ने सभी का आभार जताया और समाज को हर क्षेत्र में आगे ले जाने सबका सहयोग मांगा।

प्रतिभावान बच्चों का सम्मान

चुनाव संपन्न होने से पूर्व सात गढ़ कंवर समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों एवं अन्य क्षेत्रों में विशेष उपलब्धि प्राप्त कर समाज का नाम रोशन करने वाले प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। इस अवसर पर बिलासपुर संभाग के हर इकाई चक से प्रतिभावान विद्यार्थी एवं प्रतिभाएं शामिल हुईं, जिनका सम्मान किया गया। छत्रपाल सिंह कंवर ने बताया कि प्रतिभावान विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने के लिए समाज हर तरह से सहयोग करेगा। उनका कहना है कि शिक्षित समाज ही समाज, प्रदेश और देश के नवनिर्माण में अपनी भूमिका निभा सकता है।

दूसरे सप्ताह भी मुख्यमंत्री के जनदर्शन में नागरिकों में जबरदस्त उत्साह, हजारों लोग पहुंचे

आग्रह-अनुरोध लेकर प्रदेशभर से बड़ी संख्या में पहुंचे थे लोग

श्रमवीरों के 13 मेधावी बच्चों को मुख्यमंत्री ने सौंपे दो-दो लाख रूपए के चेक

मेधावी बच्चों को प्रोत्साहन राशि के साथ-साथ स्कूटी खरीदने के लिए भी दिए पैसे

पिछले जनदर्शन में आवेदनों के तत्काल निराकरण होने पर बड़ी संख्या में मुख्यमंत्री को धन्यवाद देने आए थे लोग

श्री साय ने अपने निवास पर मां के नाम रोपा दहीमन का पौधा

कार्यक्रम स्थल पर लगाया गया था स्वास्थ्य शिविर, लोगों ने ब्लड, बीपी, शुगर की कराई जांच

रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निवास पर आज गुरूवार को दूसरे सप्ताह के जनदर्शन कार्यक्रम में भी नागरिकों में जबरदस्त उत्साह रहा। मुख्यमंत्री श्री साय से मुलाकात करने और अपने आग्रह-अनुरोध उन्हें प्रत्यक्ष सौंपने के लिए प्रदेशभर से बड़ी संख्या में लोग आए हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने श्रमवीरों के मेधावी बच्चों को दो-दो लाख रूपए के चेक भी प्रदान किए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपने निवास परिसर में अपनी मां के नाम दहीमन के पौधे का रोपण भी किया। मुख्यमंत्री निवास में स्वास्थ्य परीक्षण भी लगाया गया था, जिसका नागरिकों ने लाभ उठाया। आज के कार्यक्रम में अनेक ऐसे लोग मुख्यमंत्री को धन्यवाद कहने आए थे, जो पिछले जनदर्शन में आए थे और उनके अनुरोधों का तत्काल निराकरण भी हो गया था।

आज आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नोनी-बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत 13 बच्चों को दो-दो लाख रूपए के चेक दिए गए। इसमें से एक लाख रूपए प्रोत्साहन के रूप में और एक लाख रूपए स्कूटी खरीदने के लिए दिए गए। इन बच्चों ने दसवीं और बारहवीं में 2023-24 के टॉप-10 सूची में स्थान बनाया है। ये सभी श्रमवीरों के बच्चे है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने निवास परिसर में अपनी मां के नाम दहीमन का जो पौधा आज रोपा वह अपने औषधीय गुणों के लिए जाना जाता है। यह पौधा सरगुजा अंचल में पाया जाता है। मुख्यमंत्री ने लोगों से भी मां के नाम अपने-अपने निवास या गांव में पौधा रोपने की अपील की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल के मन की बात कार्यक्रम में लोगों से एक पेड़ मां के नाम मुहिम में शामिल होने की अपील की थी।

इस बार के जनदर्शन में एक दर्जन से ज्यादा ऐसे भी लोग शामिल हुए जो पिछले बार के जनदर्शन में भी आए थे, तब उनके आवेदनों का निराकरण मुख्यमंत्री के निर्देश पर तत्काल कर दिया गया था। इन लोगों ने त्वरित कार्यवाही के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। इनमें दिव्यांग भी शामिल थे, जिन्हें श्री साय के निर्देश पर ट्रायसाइकिल और अन्य उपकरण तत्काल उपलब्ध कराए गए थे। आज कार्यक्रम स्थल पर लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में लोगों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। खून जांच, बीपी की जांच, शुगर और अन्य आम बीमारियों की जांच की सुविधा शिविर में उपलब्ध कराई गई थी। कार्यक्रम की शुरूआत में मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार सदियों तक लोगों को प्रेरित करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के मेधावी बच्चों को प्रोत्साहन राशि और स्कूटी खरीदने के लिए चेक वितरित किए

मुख्यमंत्री नोनी-बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत दी गई सहायता राशि

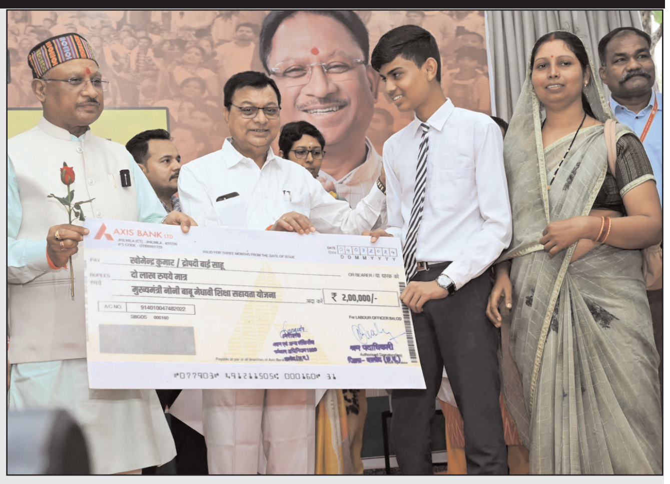

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान अपने निवास कार्यालय में श्रम विभाग के अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों के मेधावी बच्चों को दो-दो लाख रूपए की राशि का चेक प्रदान किया। इसमें मुख्यमंत्री नोनी-बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि एक लाख रूपए तथा स्कूटी क्रय के लिए दी जाने वाली एक लाख रूपए का चेक मुख्यमंत्री ने प्रदान किया। अवसर पर प्रदेश के श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन सहित मेधावी बच्चों के अभिभावक विशेष रूप से उपस्थित थे।

श्रम विभाग के अंतर्गत छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के 13 बच्चों को कुल दो-दो लाख रूपए के मान से 26 लाख रूपए का चेक प्रदान किया। इसमें एक लाख रूपए का चेक स्कूटी खरीदी के लिए मेधावी बच्चों को प्रदान किया गया। ज्ञात हो कि योजना के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चे जो कक्षा 10वीं एवं 12वीं में शिक्षा सत्र 2023-24 में अध्ययनरत तथा छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित परीक्षा वर्ष 2023-24 में निर्माण श्रमिक के 13 बच्चे टॉप-10 सूची में है। उन्हें इस योजना के अंतर्गत लाभान्वित किया गया। इनमें कक्षा 10वीं में गरियाबंद जिले से कुमारी होनिशा, महासमुंद जिले से कुमारी डेनिसा, रायगढ़ जिले से कुमारी बबीता एवं उमा, सूरजपुर जिले से आयुष कुमार, बलरामपुर जिले से कुमारी अंशिका, जशपुर जिले से कुमारी मीना यादव, राजनांदगांव जिले से कुमारी वंशिका, बालोद जिले से तोषण कुमार, खोमेन्द्र, कुमारी पद्मनी, जिज्ञासा एवं कांकेर जिले से कक्षा 12वीं की छात्रा कुमारी वीदेका का नाम शामिल है।

बागबाहरा वन क्षेत्र में निवासरत कमार परिवारों के बेदखली के मामले की जांच के निर्देश

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज रायपुर स्थित निवास कार्यालय में आयोजित सप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में बागबाहरा वन क्षेत्र के कमार जनजाति परिवारों के आवेदन की सुनवाई की। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को वर्षों से बागबाहरा वन क्षेत्र क्रमांक 88 निवासरत कमार परिवारों को वहां से बेदखल किए जाने के लिए सहायक वन परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा जारी नोटिस की जांच कर उचित कार्यवाही के निर्देश दिए।

जनदर्शन कार्यक्रम में बागबाहरा वन क्षेत्र क्रमांक 88 में निवासरत कमार जनजाति के परिवार के लोग मुख्यमंत्री से बेदखली की कार्यवाही रोकने की फरियाद लेकर पहुंचे थे। अलख राम कमार ने बताया कि उसके सहित 20 कमार परिवारों को उक्त वन क्षेत्र में निवास कर रहे हैं। कमार परिवारों को वहां से बेदखल किए जाने के लिए नोटिस जारी की गई है। उन्होंने बताया कि विशेष पिछड़ी जनजाति परिवार वन अधिकार अधिनियम 2006 के पूर्व से 20 कमार परिवार के लोग उक्त वन क्षेत्र में निवास कर अपना जीवनयापन कर रहे हैं।

वर्ष 2008 में ग्राम पंचायत तमोरा द्वारा पेयजल व्यवस्था के लिए वहां बोर खनन कराया गया है। वन अधिकार समिति द्वारा 10 मई 2008 को काबिज परिवारों को पट्टा दिए जाने की भी अनुशंसा की गई है। पट्टा के नाम पर अधिकारियों द्वारा राशि की मांग किए जाने का विरोध करने पर आज पर्यन्त तक उन्हें वन अधिकार पट्टा नहीं दिया गया। कमार परिवारों को प्रताड़ित करने के लिए समय-समय पर बेदखल किए जाने की धमकी और नोटिस दी जाती है, जिससे कमार परिवार के लोग भयभीत है। मुख्यमंत्री ने इसे गंभीरता से लेते हुए वन विभाग के अधिकारियों को पूरे मामले की जांच कर उचित कार्यवाही के निर्देश दिए।

झोलाछाप डॉक्टर के गलत इलाज से बेटा अपाहिज: पिता ने मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

मुख्यमंत्री जनदर्शन कार्यक्रम में आज तिल्दा नेवरा इलाके के ग्राम तुलसी निवासी अनुज बंजारे अपनी पत्नी श्रीमती पूर्णिमा और बेटे दीपेश बंजारे के साथ पहुंचे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय को बताया कि वो तिल्दा के सब्जी मंडी में हमाल का काम करते हैं। 24 अगस्त 2023 को उनके पुत्र का बायां हाथ खेलते हुए फैक्चर हो गया। तुरंत उन्होंने स्थानीय चिकित्सक के क्लिनिक जाकर उसका इलाज करवाया, जहां डॉक्टर ने 1700 रुपए लेकर प्लास्टर किया। आराम ना मिलने पर बेटे को दूसरे अस्पताल ले गए, जहां पता चला कि प्लास्टर गलत तरीके से किया गया है, जिसके कारण हाथ में मवाद और सूजन आ गया है। वहां से रायपुर मेकाहारा रेफर किया गया। बेटे का इलाज के लिए एम्स रायपुर गए तो वहां के डॉक्टरों ने बताया कि बच्चे का हाथ कभी ठीक नहीं होगा और अब उसका बायां हाथ काम करना बंद कर दिया है ।

एम्स से वापिस आकर ईलाज के लिए हम उसी डॉक्टर के पास गए तो उन्होंने 3 माह तक फिजियोथैरिपी करवाने कहा। हमने फिजियोथैरिपी करवाया पर फ़िर भी हाथ में कोई सुधार नहीं हुआ और अब ईलाज से उसने मना कर दिया। मैने डॉक्टर के खिलाफ एफ आई आर कराया है, परंतु अब तक उन्हें न्याय नहीं मिल पाया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संबंधित अधिकारियों को जांच कर त्वरित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ट्रायसायकल मिलने पर दिव्यांग पति-पत्नी के चेहरे खिल उठे

दिव्यांगता को कमजोरी नही मान कर हौसले से जीवन को सहज और सरल तरीके से जीने की कला कोई भागवत से सीखें। जन्म से ही दोनों पैरों से विकलांग भागवत आरंग विकासखंड के ग्राम केशला के रहने वाले है। शिक्षा समाप्ति के बाद बिजली विभाग में कॉल अटेंडर के रूप में कार्य करना शुरू किया। भागवत की दिव्यांगता के चलते विवाह में दिक्कतें हुई। ऐसे में उन्होंने दिव्यांग लड़की से विवाह करने का फैसला लेकर दिव्यांग वीणा निषाद से विवाह किया। बिजली विभाग फोन अटेंडर के रूप में कार्य करने से होने वाली आय से घर परिवार चलाने में दिक्कते खड़ी होना प्रारम्भ हो गया। वैसे भी उन्हें कार्यस्थल तक आने जाने के लिए दूसरों की मदद लेनी होती थी। किसी पर आश्रित नहीं होने की महत्वाकांक्षा उसे अंदर ही अंदर खाये जा रही थी। कही भी आने जाने की सुविधा के लिए भागवत ने नि:शुल्क बैटरी चलित ट्रायसाइकल के लिए समाज कल्याण और सम्बन्धित विभागों में आवेदन देने के बाद भी पिछले 2 सालों से उन्हें सहायता नहीं मिल पा रहा था। ऐसे में उन्हें मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा आमजनों की शिकायतों और मांगो को पूरा करने के लिए जनदर्शन के बारे में पता चला। भागवत मुख्यमंत्री के सहृदयता के बारे में विभिन्न माध्यमों से अवगत थे। उन्हें पूरे विश्वास था कि जनदर्शन में जाने से निश्चित रूप से मदद मिलेगी। जनदर्शन कार्यक्रम में भागवत अपनी दिव्यांग पत्नी के साथ उपस्थित होकर बैटरी चलित ट्रायसाइकल हेतु मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को आवेदन प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री ने उनके आवेदन पर संवेदनशीलता से विचार कर दोनों को तत्काल बैटरी चलित ट्रायसाइकल प्रदान करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री के निर्देश पर अमल करते हुए दिव्यांग पति-पत्नी को बैटरी चलित ट्रायसाइकल प्रदान की गई। ट्रायसाइकल मिलने पर दिव्यांग पति पत्नी के खुशी का ठिकाना न रहा। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री का दिल से आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कुनकुरी सदन चले जाएं, वहां बच्चे का होगा ईलाज

अपने बीमार बच्चे के इलाज के लिए मदद की फरियाद लेकर जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंची श्रीमती शशि वर्मा को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि उन्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। उनके बच्चे का बेहतर से बेहतर इलाज होगा। मुख्यमंत्री ने श्रीमती शशि वर्मा के आग्रह पर उन्हें उनके बीमार बच्चे के साथ रायपुर स्थिति कुनकुरी सदन पहुंचाने के निर्देश दिए।

यहां यह उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा दूर-दराज के जरूरत मंद लोगों के इलाज और ठहरने की नि:शुल्क व्यवस्था के लिए रायपुर में कुनकुरी सदन शुरू किया गया है। इसकी जानकारी श्रीमती शशि वर्मा को मिली तो वह भी अपने बीमार बच्चे को लेकर जनदर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री से मिलने पहुंची। उन्होंने मुख्यमंत्री से कुनकुरी सदन में रूकने और बच्चे का इलाज कराए जाने का आग्रह किया। संवेदनशील मुख्यमंत्री ने श्रीमती वर्मा के आग्रह पर उनके ठहरने और बीमार बच्चे के समुचित इलाज की व्यवस्था कुनकुरी सदन के माध्यम से किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कुनकुरी सदन इसलिए ही बनाया गया है, ताकि राजधानी में इलाज में किसी तरह की दिक्कत महसूस कर रहे लोगों की सहायता की जाए। वहां पर प्राथमिक उपचार के लिए डॉक्टर और एंबुलेंस की सुविधा भी उपलब्ध है। श्रीमती शशि वर्मा ने बताया कि कुनकुरी सदन के बारे में यह जानकारी मिली थी कि मुख्यमंत्री द्वारा यहां बीमारों के इलाज और मरीज के परिजन के रूकने की नि:शुल्क व्यवस्था की गई है। जनदर्शन में वह इसी उम्मीद से अपने बीमार बच्चे को लेकर पहुंची थीं, कि उसका रायपुर में बेहतर इलाज बिना किसी परेशानी के हो सके। मुख्यमंत्री ने उनकी न सिर्फ फरियाद सुनी, बल्कि बड़ी ही सहृदयता के साथ कुनकुरी सदन में रूकने और इलाज कराने का भी प्रबंध कर दिया है। बच्चे के इलाज का प्रबंध होने पर खुशी जताते हुए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री साय को धन्यवाद दिया।

शिक्षक पिता ने डूबते बच्चे को बचाते हुए अपनी जान दी, पुत्र ने मांगी अनुकंपा नियुक्ति

मुख्यमंत्री ने शिक्षा विभाग को आवश्यक कार्रवाई के लिए दिए निर्देश

जनदर्शन कार्यक्रम में आज धरसींवा ब्लॉक से आए सुशील कुमार बंजारे ने मुख्यमंत्री को अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने के लिए आवेदन देते हुए बताया कि वर्ष 2022 में शिक्षक दिवस के ही दिन उनके शिक्षक पिता ने खारुन नदी में डूबते बच्चे को बचाने कोशिश करते हुए असाधारण वीरता का प्रदर्शन किया, लेकिन दुर्भाग्य से उनकी मौत हो गई। सुशील ने अपनी अनुकंपा नियुक्ति के लिए मुख्यमंत्री से आग्रह किया। उनकी बात को संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए मुख्यमंत्री ने इस संबंध में शिक्षा विभाग के अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जनदर्शन में दिए आवेदन पर हुई कार्यवाही की जानकारी लोगों को ऑनलाइन पोर्टल पर मिलेगी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के जनदर्शन पहुंचने वाले लोगों को उनके आवेदन पर हुई कार्रवाई की अपडेट जानकारी जनदर्शन पोर्टल के माध्यम से घर बैठे मिलेगी। इसके लिए जनदर्शन पोर्टल में आवेदक को अपना टोकन नंबर डालना होगा। 04 जुलाई गुरूवार को आयोजित जनदर्शन में 1700 से अधिक आवेदन लोगों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर सौपें। इससे पूर्व 27 जून को आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम में 1500 से अधिक आवेदन मिले थे, जिनका निराकरण संबंधित विभागों द्वारा तेजी से किया जा रहा है।

जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचने वाले लोगों के लिए चाय और बिस्कुट की मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से जनदर्शन में बारी बारी से एक-एक कर मिल रहे हैं और अपनी समस्या बताने के साथ ही आवेदन भी सीधे मुख्यमंत्री को दे रहे हैं।

जनदर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री साय प्रत्येक लोगों से बड़ी ही सहजता और आत्मीयता के साथ मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री बड़े ही धैर्य के साथ समस्या सुनते हैं और समस्या के यथा संभव समाधान के लिए प्रयास करने का भरोसा दिलाते हैं। आम जनता से मिलने वाले आवेदनों की कंप्यूटर में एंट्री कर करवाई के लिए संबंधित विभाग को भेजा जा रहा है। लोगों को आवेदन पर की जाने वाली कार्यवाही की जानकारी घर बैठे ऑनलाइन जनदर्शन पोर्टल https://jandarshan.cg.nic.in पर टोकन नंबर से मिल सकेगी।

कोरबा में मंत्री नेताम ने एक पेड़ मां के नाम अभियान का किया शुभारंभ

आमजनों से पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण में सहभागिता निभाने का किया आग्रह

कोरबा/पाली (दिव्य आकाश)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम में देशवासियों से एक पेड़ मां के नाम लगाने के आह्वान के तहत छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति व अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभाग मंत्री रामविचार नेताम ने कोरबा जिले के विकासखण्ड पाली के फारेस्ट रेस्ट हाऊस में अपने लघु प्रवास के दौरान एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधि, अधिकारी व कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपील की। साथ ही सभी स्कूलों छात्रावास, आश्रमों, अस्पतालों एवं आंगनबाड़ियों में भी अभियान चलाकर वृहद स्तर पर पौधरोपण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

इस दौरान मंत्री श्री नेताम ने जिले में आदिम जाति विकास विभाग अंतर्गत विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की जानकारी लेते हुए पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का प्राथमिकता से लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों से पाली विकासखण्ड के यथा संभव विकास के संबंध में भी चर्चा हुई। इस अवसर पर सहायक आयुक्त आदिम जाति विकास विभाग श्रीकांत कसेर, जनपद सीईओ पाली भूपेन्द्र सोनवानी , नगर पंचायत पाली के पूर्व अध्यक्ष अजय जायसवाल, भाजपा उपाध्यक्ष संजय भावनानी, मुकेश कौशिक सहित अन्य जनप्रतिनिधि, भाजपा नेता एवं अधिकारियों ने भी एक पेड़ मां के नाम पर पौधरोपण कर जिलेवासियों से पर्यावरण संरक्षण में अपनी जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया।

कोरबा लायनवाद को विश्व शिखर तक पहुंचाने वाले लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल के जन्मदिन पर बटी खुशियां

नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा में शिक्षकों एवं बच्चों ने काटे केक

लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल के सदस्यों ने भी दी बधाईयां

कोरबा (दिव्य आकाश)।

लायनवाद को अपने जीवन में जीने वाले कोरबा के प्रख्यात समाजसेवी एवं उद्योगपति तथा लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल के डायरेक्टर, नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा के चेयरमेन तथा कोरबा लायनवाद को विश्व शिखर तक पहुंचाने वाले पीएमजेएफ लायन डॉ. राजकुमार अग्रवाल का जन्मदिन बड़े उत्साह के साथ मनाया गया और लायन सदस्यों ने अपने प्रिय डॉ. अग्रवाल को सुदीर्घ जीवन, स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी और कहा कि आपके सेवा कर्मों से आपको यश मिले, चारों तरफ कीर्ति फैले और आप दीर्घकाल तक रचनात्मक कार्यों के जरिये जरूरतमंद लोगों की सेवा करते रहें।

नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा में लायंस क्लब कोरबा गुरूकुल के अध्यक्ष लायन पवन अग्रवाल, सचिव सुरेन्द्र कुमार डनसेना, कोषाध्यक्ष दीपक जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष मनोज गुप्ता, संचालक सदस्य भोजराम राजवाड़े, दर्शन अग्रवाल समेत क्लब के कई सदस्यों ने डॉ. अग्रवाल को बधाई देने पहुंचे और सभी ने उन्हें मिठाई खिलाकर खुशहाल जीवन की बधाई दी। इस अवसर पर राजकुमार अग्रवाल की जीवन संगिनी श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल, उनके पुत्र आशीष अग्रवाल एवं अन्य परिजन, शुभचिंतक, दोस्त काफी संख्या में उपस्थित थे।

अध्यापक-विद्यार्थियों ने काटा केक

विद्यालय के चेयरमेन पीएमजेएफ लायन राजकुमार अग्रवाल के जन्मदिन पर विद्यालय के अध्यापकगणों के साथ विद्यार्थियों ने भी बड़े उत्साह के साथ उनका जन्मदिन मनाया और केक काटकर एवं मिठाई खिलाकर अपने प्रिय चेयरमेन को खुशहाल जीवन की बधाई दी। इस अवसर पर पालक भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा अग्रवाल सर जैसे बिरले ही होते हैं जो गरीब बच्चों को कम फीस में बेहतर शिक्षा की व्यवस्था कर उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की सीख दे रहे हैं। लायंस पब्लिक स्कूल विद्यार्थियों को गढ़ने का मंदिर बन गया है, जहां सैकड़ों मध्यम एवं गरीब बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल रही है।

राजस्व निरीक्षकों ने नवीन पदस्थापना में किया कार्यभार ग्रहण

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा जिले में प्रशासनिक व्यवस्था के दृष्टिकोण से 07 राजस्व निरीक्षकों के मण्डल प्रभार में परिवर्तन किया गया है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा के आदेश के परिपालन में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा संबंधित राजस्व निरीक्षकों को उनके नवीन पदस्थापना राजस्व निरीक्षक मण्डल में कार्य करने हेतु भारमुक्त कर दिया गया है। साथ ही सभी राजस्व निरीक्षकों द्वारा नवीन राजस्व निरीक्षक मण्डल में कार्यभार ग्रहण कर लिया गया है। जिसके अंतर्गत योगेन्द्र बैस को राजस्व निरीक्षक मण्डल कोरबा, आशीष सोनी को राजस्व निरीक्षक मण्डल पाड़ीमार एवं दादरखुर्द का अतिरिक्त प्रभार, खेलन प्रसाद सूर्यवंशी को राजस्व निरीक्षक मण्डल पसरखेत, परषोत्तम राम धाकड़े को राजस्व निरीक्षक मण्डल कोथारी, नीलकांत यादव को राजस्व निरीक्षक मण्डल दीपका व गेवरा का अतिरिक्त प्रभार, नंद किशोर सिंह राजस्व निरीक्षक मण्डल पाली के साथ ही अतिरिक्त प्रभार लाफा, चक्रधर सिंह सिदार राजस्व निरीक्षक मण्डल पसान के साथ ही अतिरिक्त प्रभार जटगा की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

10 साल के कड़े संघर्षों का सुखद परिणाम: अब अपात्रों को पात्र माना एसईसीएल प्रबन्धन ने, अमगांव के प्रभावितों को मिलेगा पर्याप्त मुआवजा

कोरबा (दिव्य आकाश)।

ऊर्जाधानी भूविस्थापित किसान कल्याण समिति द्वारा विगत जनवरी माह से चलाए जा रहे आंदोलन और प्रयासों के बाद अब ग्राम अमगांव, जोकाहीडबरी के मुआवजा के लिए अपात्र किये गए 91 परिवारों को जिला प्रशासन और एसईसीएल प्रबंधन ने पात्र मानते हुए भुगतान की स्वीकृति दी है । जिस पर लोंगो ने खुशी जाहिर करते हुए ऊर्जाधानी संगठन के साथ-साथ नेतृत्व प्रदान करने वाले कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल का आभार व्यक्त किया है ।

उल्लेखनीय है वर्ष 2010 में ग्राम अमगांव का अर्जन एसईसीएल गेवरा द्वारा किया गया था और 2015 में नापी सर्वे के बाद जोकाहीडबरी मोहल्ले के 91 परिवारों को उनके मकान व जमीन के बदले दिए जाने वाले मुआवजा के लिए जिला प्रशासन और एसईसीएल प्रबंधन द्वारा अपात्र घोषित कर दिए जाने के कारण विगत 10 साल से लटका पड़ा था। इसके लिए विगत जनवरी माह से ऊर्जाधानी भूविस्थापित किसान कल्याण समिति द्वारा चलाए गए आंदोलन और प्रयास के बाद आखिरकार जिला प्रशासन ने अपात्र कर दिए गए लोंगो को पात्र मानते हुए मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया शुरू कर दिया है ।

इस सबन्ध में जानकारी देते हुए ऊर्जाधानी भूविस्थापित किसान कल्याण समिति के अध्यक्ष सपुरन कुलदीप ने बताया है कि जोकाहीडबरी स्थित 142 मकान और परिसम्पतियों का सर्वे के बाद 112 लोंगो को खुद की जमीन पर मकान नहीं होने के कारण अपात्र घोषित कर दिया गया था । उसके बाद 11 लोंगो को भी पात्र मानते हुए मुआवजा का भुगतान कर दिया गया था बाकी 91 प्रभावित पिछले 10 सालों से मुआवजा पाने के लिए भटक रहे थे । जिसके लिए संगठन ने जनवरी माह से धरना प्रदर्शन के साथ क्षेत्रीय विधायक प्रेमचंद पटेल का सहयोग लेकर दबाव बनाया और उसके बाद अपात्र किये प्रभावित लोंगो को पात्र मानते हुए अनुविभागीय अधिकारी के आदेश जारी होने के बाद मुआवजा के लिए कार्यालय में आवेदन जमा लिए जा रहे हैं ।

मुआवजा राशि में कटौती का विरोध

10 सालों से मुआवजा के लिए इंतजार करने के बाद एसईसीएल गेवरा क्षेत्र के भू-राजस्व कार्यालय द्वारा जारी आदेश और सूचना पत्र में निर्धारित राशि की जानकारी दी गयी है जिसमे पूर्व में स्वीकृत राशि मे 30 प्रतिशत की कटौती किया गया है , जिसका विरोध और आपत्ति करते हुऐ आवेदन जमा कराया जा रहा है ।

मवेशियों के जमावड़े को रोकने हेतु ग्रामीणों को दी जा रही समझाइश

कोरबा (दिव्य आकाश)। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में जिले के राष्ट्रीय एवं राजकीय राजमार्ग में मवेशियों के बेतरतीब जमावड़े को रोकने हेतु ग्रामीणों की बैठक लेकर प्रभावी उपाय अपनाने का आग्रह किया जा रहा है। इस संबंध में आज उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. एस. पी. सिंह द्वारा पाली विकासखण्ड के ग्राम पंचायत कपोट, चौतमा, घुईचुंआ व डुमरकछार में ग्राम सभा आयोजित कर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सरपंच सहित ग्रामीणों की बैठक लेकर मवेशियों के राजमार्गों में जमावड़े को रोकने की दिशा में सकारात्मक प्रयास करने का अनुरोध किया गया।

नवगठित पालिका बांकीमोंगरा की पहली अध्यक्ष बनी शैल राठौर, कमला बरेठ उपाध्यक्ष

कोरबा/बांकीमोंगरा (दिव्य आकाश)।

नवगठित नगर पालिका परिषद बांकीमोंगरा में राज्य शासन द्वारा वार्ड क्रमांक-65 की पार्षद श्रीमती शैल राठौर को अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। पार्षद श्रीमती कमला बरेठ उपाध्यक्ष मनोनीत की गई हैं। नगर पालिका में सदस्यों के तौर पर श्रीमती प्रभावती चौहान, सतीश झा, लखपत शर्मा, अश्वनी मिश्रा, संतोष राठौर, मेलू पटेल, ज्योति दास महंत का मनोनयन किया गया है। पार्षद श्रीमती कमला बरेठ जिला योजना समिति की सदस्य भी हैं और नगर पालिका में उपाध्यक्ष का दायित्व मिल जाने से बांकी मोंगरा क्षेत्र की राजनीति में उनका कद बढ़ा है। छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 (क्रमांक-37 सन1961) की धारा 16 (1) के अधीन नगर पालिका परिषद बांकीमोंगरा की परिषद के कृत्यों के संचालन हेतु आगामी आदेश तक उक्त समिति का गठन किया गया है। इस संबंध में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग रायपुर, उप सचिव रेणुका श्रीवास्तव द्वारा शासन का आदेश जारी कर दिया गया है। भाजपाईयों में हर्ष व्याप्त है।

शकुंतला बनी नगर पंचायत छुरीकला की कार्यवाहक अध्यक्ष

छुरीकला (दिव्य आकाश)।

श्रीमती नीलम देवांगन को अविश्वास प्रस्ताव लाकर अध्यक्ष पद से हटाने के बाद नगर पंचायत छुरीकला में कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में पार्षद श्रमती शकुंतला गोड़ को शासन ने कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया है। अध्यक्ष न होने के कारण यहां का कार्य प्रभावित हो रहा था। श्रीमती गोड़ के अध्यक्ष बनने के बाद काम में तेजी आएगी।

जरा देख के चलें : बारिश शाम को रूक गई। कोरबा की मुख्य सड़कों में धूल का गुबार देखने को मिला। ट्रांसपोर्ट नगर, घंटाघर रोड एवं निहारिका की सड़कों से डामर की परतें उखड़ गई, गिट्टी से आवागमन में बाधा आ रही है।

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर राजवाड़े द्वारा आकाश आफसेट टीपी नगर कोरबा से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com